

ये अंबानी-अडाणी की सरकार है : राहुल गांधी

संवाददाता

रांची : कांग्रेस के स्टार प्रचार राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर आज जमकर कटाक्ष किया। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नहीं, बल्कि ये अंबानी और अडाणी की सरकार चल रही हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने साढ़े पांच वर्षों में किसानों, आदिवासियों की जमीन को लूटा, पानी और बिजली को छीनकर अपने 15-20 पूंजीपति और उद्योगपति मित्रों को दे दिया। उन्होंने यह भी कहा कि नोटबंदी और जीएसटी लागू हो से आम लोगों, किसानों और गरीबों को कोई फायदा नहीं मिला, इसका सारा फायदा भी सिर्फ 15-20 देश के सबसे बड़े पूंजीपतियों को हुआ। राहुल गांधी सोमवार को

सिमडेगा में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा



झारखंड के सिमडेगा में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस-गठबंधन की राज्य में सरकार बनेगी, तो किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा और जमीन की रक्षा की जाएगी। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से यह



वायदा किया गया था कि उद्योग स्थापित होने पर किसानों और जिनकी जमीन है, उसे लौटा दिया जाएगा, इस वायदे को कांग्रेस सरकार ने पूरा किया। राहुल गांधी ने कहा कि जब कांग्रेस ने वहां विधानसभा चुनाव में धान का प्रति क्विंटल खरीद मूल्य 2500 रूपया देने का वायदा किया, तो भाजपा नेताओं ने कहा कि यह संभव ही

नहीं है, लेकिन पार्टी ने यह वायदा भी पूरा किया और किसानों की कर्जमाफी की घोषणा को भी पूरा किया। कांग्रेस के स्टार प्रचारक ने कहा कि प्रधानमंत्री और झारखंड के मुख्यमंत्री अपने हर भाषण में रोजगार की बात करते हैं, मेक इन इंडिया की बात करते हैं, लेकिन नोटबंदी और जीएसटी से आज देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गयी।

घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकालेंगे : शाह

संवाददाता

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि 2024 के चुनाव में वोट लेने के पहले पूरे देश में एनआरसी के माध्यम से घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकालने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां कहते हैं कि राष्ट्रीय मुद्दे से झारखंड के लोगों का कुछ लेना-देना नहीं है, लेकिन राज्य की जनता भी यह चाहती है कि कश्मीर अखंड भारत का हिस्सा रहे, देश से आतंकवाद और नक्सलवाद समाप्त हो, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बने। अमित शाह सोमवार को चक्रधरपुर में पार्टी प्रत्याशी सह प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण गिलुवा के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र

चक्रधरपुर में भाजपा प्रत्याशी लक्ष्मण गिलुवा के पक्ष में रैली



में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के साथ ही धारा 370 को मूल समेत समाप्त कर दिया गया और पुलवामा और उरी अटैक के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से आतंकवादियों को कराग जवाब दिया गया। उन्होंने इससे पहले देश में दस वर्षों तक मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी का शासन था, प्रतिदिन आतंकियों के घुसपैठ की

खबर मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में सेना को जवाबी कार्रवाई की पूरी छूट दी गयी और वीर जवानों ने पाक से बदला लेने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि झारखंड में पांच वर्षों तक जीरो करप्शन वाली सरकार चली, मुख्यमंत्री रघुवर दास और सरकार पर कोई भ्रष्टाचार के

आरोप नहीं लगे। उन्होंने मंच से ही कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी को चुनौती दी कि वे पांच साल बनाम 55 साल के शासन के मुद्दे पर चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि पार्टी पूर्ण बहुमत में आती है, तो अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण को कम किये बगैर अत्यंत पिछड़ वर्ग के लोगों के आरक्षण बढ़ाने के लिए कमेटी का गठन करेंगी। उन्होंने झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब अलग झारखंड राज्य के लिए लड़ाई करने वालों पर कांग्रेस शासनकाल में गोलियां और लाठियां बरसायी जाती थी, उस कांग्रेस पार्टी से झामुमो ने कुर्सी हासिल करे के लिए समझौता कर लिया है।

शेष पेज 12 पर

न्यूज गैलरी

पुलिस ने जप्त की लाखों रुपये की 40 पेंटी अवैध शराब, दो गिरफ्तार

गिरिडीह : गिरिडीह जिले की पचम्बा थाना पुलिस ने आज गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर लाखों रुपये मूल्य का नकली इम्पीरियल व्हु व आर सी शराब जप्त किया है। गिरिडीह के पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार झा की सूचना पर ये बरामदगी हुई है। मुर्गा लंदे वाहन से 40 पेंटी अवैध शराब जब्त की है। सूचना मिली थी कि मुर्गा लंदे एक पिकअप वैन पर छुपाकर अवैध शराब की एक बड़ी खेप धनबाद से बिहार ले जाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने अपना जाल बिछाया और पचंबा थाना क्षेत्र में पिकअप वैन को रोक कर तलाशी ली। तलाशी में पुलिस ने 40 पेंटी अवैध शराब के साथ पिकअप वैन को जब्त कर लिया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

शेष पेज 12 पर

लुईस मरांडी समेत भाजपा के चार

उम्मीदवारों ने पर्चा भरा दुमका : दुमका जिले की सभी चार विधानसभा सीटों के लिए भाजपा के उम्मीदवारों ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया। दुमका सीट के लिए भाजपा उम्मीदवार और समाज कल्याण मंत्री लुईस मरांडी, जामा के लिए सुरेश मुर्मू, जरमुंडी सीट के लिए देवेन्द्र कुंवर तथा शिकारीपाड़ा के लिए भाजपा उम्मीदवार परितोष सोरेन ने अपनी नामजदगी के पर्चे दाखिल किये। अन्य दलों के उम्मीदवारों ने भी आज नामांकन पत्र दाखिल किया।

शेष पेज 12 पर

स्कूल जा रही छात्रा को टैंकर ने कुचला, मौत

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम के जमशेदपुर के डिमना में सोमवार की सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। यहां एनएच 33 पर एक टैंकर ने छात्रा को कुचल दिया। उसकी मौके पर मौत हो गई। छात्रा समुद्धि अपने पिता विवेक कुमार के साथ स्कूल जा रही थी। समुद्धि आरवीएस एकेडमी में पांचवी क्लास की छात्रा थी। वह अपने माता-पिता के साथ बसुंधरा स्टेट में रहती थी।

शेष पेज 12 पर

अपराध संवाददाता

रांची : रांची जिला अंतर्गत रामगढ़ रांची मार्ग पर ओरमांडी के चकला ग्राम के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच की मौत हो गई। जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों में कई की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है और मृतकों की संख्या में बढ़ोत्तरी की आशंका है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि यात्री बस और विपरीत दिशा से आ रहे जीप के बीच सीधी टक्कर हो गयी। हादसे में जीप में सवार तीन लोगों की मौत



घटनास्थल पर ही हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गये। बाद में दो अन्य घायलों की मौत इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में हो गयी। जबकि छह की स्थिति गंभीर बनी हुई है। पुलिस व

स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को रिस्स पहुंचाया गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जीप के परखच्चे उड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हेमकुंट नाम की एसी बस रांची से

अयोध्या मामला फिर सुप्रीम कोर्ट में, जमीयत उलेमा ए हिंद ने दाखिल की पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली : जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अयोध्या केस में सुनाए गए फैसले पर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। यह याचिका मौलाना सैयद अशद रशीदी की ओर से दायर की गई है, जो अयोध्या मामले में मुस्लिम पक्ष के 10 याचिकाकर्ताओं में से एक हैं। यह पुनर्विचार याचिका इस विवाद में मूल वादकारियों में शामिल

एम. सिद्दीक के कानूनी वारिस मौलाना सैयद अशद रशीदी ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि फैसला नुतिपूर्ण है और इस पर संविधान के अनुच्छेद 137 के तहत पुनर्विचार की जरूरत है। पुनर्विचार याचिका में कहा गया है कि शीर्ष अदालत ने पक्षकारों को रहत के मामले में संतुलन बनाने का प्रयास किया है, हिंदू पक्षकारों की अवैधताओं को माफ किया गया है

और मुस्लिम पक्षकारों को वैकल्पिक रूप में पांच एकड़ भूमि का आबंजन किया गया है जिसका अनुरोध किसी भी मुस्लिम पक्षकार ने नहीं किया था। रशीदी जमीयत-उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष हैं। पुनर्विचार याचिका में उन्होंने कहा है कि इस तथ्य पर गौर किया जाये कि याचिकाकर्ता ने संपूर्ण फैसले को चुनौती नहीं दी है।

शेष पेज 12 पर

आसान नहीं सीएम रघुवर की राह अपने गढ़ में मिली पहली कड़ी चुनौती

दूसरे चरण में सबसे हॉट सीट जमशेदपुर पूर्वी

संवाददाता

रांची : विधानसभा चुनाव का सबसे हॉट सीट जमशेदपुर पूर्वी हो गया है। यहां से झारखंड के सीएम रघुवर दास और उनके मंत्रिमंडल में रह चुके मंत्री सरयू राय आमने-सामने हैं। कांग्रेस ने भी अपने प्रवक्ता गौरव बल्लभ को यहां से चुनावी मैदान में उतार दिया है। बागी मंत्री सरयू राय के निरवलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरने के कारण जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा को झारखंड का सबसे हॉट और चर्चित सीट बना गया है। उनके मैदान में आने से वर्ष 1995 से लगातार 5 चुनावों में एकतरफा जीत



हासिल करने वाले रघुवर दास के सामने पहली बार कड़ी चुनौती पेश आई है। इस सीट पर बीजेपी की ओर से मुख्यमंत्री रघुवर दास के समर्थन में उत्साहित समर्थक घर घर जाकर मुख्यमंत्री को भारी मतों से विजय बनाने का आह्वान कर रहे हैं। समर्थकों का मानना है कि डबल



इंजन की सरकार की वजह से झारखंड विकास के पथ पर तेजी से दौड़ सका है। इसकी गति और बढ़ने के लिए फिर भाजपा की झारखंड में सरकार जरूरी है। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जंग में रोचकता आ गई है। चुनाव चिह्न के रूप में गैस सिलेंडर मिलते ही पार्टी से बग़ावत कर क्षेत्रीय

विधायक व मुख्यमंत्री रघुवर दास के खिलाफ निर्दलीय खम ठेंकने कूदे मंत्री सरयू राय रस हो गए हैं। उधर कांग्रेस की ओर से उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव बल्लभ भी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास कर रहे हैं। क्षेत्र के मतदाताओं का मानना है कि इलाके में विकास के कई काम हुए हैं लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में और काम किये जाने की जरूरत है। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व सरयू राय के बग़ावती तेवर पर नजर बनाए हुए है। पार्टी को उम्मीद है कि फिर से बीजेपी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी ताकि नरेंद्र मोदी जी के सपनों का झारखंड बनाया जा सके।

प्रियंका गांधी की सुरक्षा में चूक



कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने सीतारमण से कहा सोचता हूं आपको निर्मला की जगह निर्बला कहना ठीक होगा

नई दिल्ली : कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया। चौधरी ने निर्मला सीतारमण के लिए कहा कि आपके लिए मेरे मन में सम्मान तो बहुत है, लेकिन सोचता हूं कि आपको निर्मला सीतारमण की जगह निर्बला सीतारमण कहना ठीक होगा। चौधरी ने कहा कि आप मंत्री पद पर तो हैं, लेकिन जो आपके मन में है वो कह भी पाती हैं या नहीं।

चौधरी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को भी घुसपैठिया बताया था। इस बयान पर केंद्रीय



लोकसभा में सोनिया की मौजूदगी में बोलते अधीर रंजन चौधरी (बाएं)।

मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अधीर रंजन से माफी मांगने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने कहा- कांग्रेस में जरा सी अक्ल है तो माफी मांगें

जोशी ने सोमवार को कहा- मैं अधीर रंजन चौधरी के मोदी और शाह पर दिए गए बयान की निंदा करता हूं। शेष पेज 12 पर

ज्वेलर्स दुकान घटना में तीन पर प्राथमिकी दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

अपराध संवाददाता

रांची : बरियातू थाना अंतर्गत स्थित आभूषण अलंकार ज्वेलर्स दुकान में लूटपाट के दौरान संचालक भैरव प्रसाद को चाकू व हथौड़ा से मारकर गंभीर रूप से घायल करने की घटना में सोमवार को बरियातू पुलिस व एफएसएल की टीम छानबीन करने घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान टीम द्वारा दुकान से फिंगर प्रिंट के नमूने एकत्रित करने के साथ ही अन्य सामानों की जांच की गई। वहीं पुलिस इस लूटपाट की घटना में अन्य बिंदुओं पर भी गहराई से जांच कर रही है। घटना के बाद घायल दुकानदार के

- बरियातू थाना में तीन पर नामजद प्राथमिकी दर्ज, घटनास्थल पर पहुंची एफएसएल की टीम
- वर्ष 2015 में जमीन विवाद में हुई थी सुधीर सोनी की हत्या, जमीन कारोबारी शमीम पर लगा था हत्या का आरोप



परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी कि कई वर्षों से दुकान खाली करने को लेकर विवाद चल रहा था। जिसमें वर्ष 2015 में उनके बेटे सुधीर सोनी की हत्या कर दी गई थी। जिसमें जमीन कारोबारी शमीम पर हत्या करने का आरोप परिजनों ने लगाया था। अब पुलिस इस घटना को सुधीर सोनी हत्याकांड से भी जोड़कर देख रही है।

गौरतलब है कि रविवार शाम करीब छह बजे बरियातू अंतर्गत राजकीय प्राथमिक मध्य विद्यालय, मोरहाबादी स्थित आभूषण अलंकार ज्वेलर्स दुकान में अपराधियों ने लूटपाट का प्रयास किया था। जिसमें विरोध करने पर अपराधियों ने

दुकान के संचालक भैरव प्रसाद पर जानलेवा हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिनका इलाज रिम्स में चल रहा है।

इस घटना के संबंध में बरियातू इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा तीन लोगों शमीम, जब्बार और प्रीति सिन्हा के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। आरोपियों के साथ जमीन विवाद का मामला है। पुलिस इस बिंदू पर भी जांच कर रही है। घटना का जल्द उद्भेदन होगा। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

कृषि से जुड़े निगमों, एजेंसियों और मिशन की आवश्यकता अनुसार ही रखें

संवाददाता

रांची : मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि विभाग कुछ चयनित स्कूलों में कक्षा एक से बच्चे की मातृभाषा के साथ हिन्दी और अंग्रेजी भाषा की शिक्षा भी देने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे शहरी बच्चों के मुकाबले में आएँ यह सुनिश्चित करें। वहीं शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा रोजगारपरक बनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि हम हर स्तर पर शिक्षा को लेकर अपना माइंडसेट बदलें। हर प्रखंड में एक लीडर स्कूल की परिकल्पना पर तेजी से काम करने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रमंडल स्तर पर विज्ञान और कौशल की विशेष पढ़ाई का इफ़ासट्रकर बनाएं। उन्होंने शिक्षकों

- मुख्य सचिव ने निर्देश दिया है कि कृषि विभाग निगमों, एजेंसियों और मिशन की कार्य उपयोगिता को देखते हुए समीक्षा करें
- शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा रोजगारपरक बनाएं



के अनावश्यक तबादला करने से बचने का निर्देश देते हुए कहा कि जो अच्छे शिक्षक हैं उन्हें प्रोत्साहित करें। वहीं जिनका प्रदर्शन घटिया हो, उन्हें कार्यमुक्त करें। साथ ही तमाम स्कूलों में मध्याह्न भोजन पकाने-खाने के बर्तनों को नया करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में ये थे मौजूद : मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न समीक्षा बैठक में विकास अयुक्त सुखदेव सिंह, योजना सह वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव केके खंडेलवाल, स्कूली शिक्षा के प्रधान सचिव श्री एंसी सिंह, कृषि सचिव श्रीमती पूजा सिंघल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राज्य की विधि-व्यवस्था चैपट : झाविमो

रांची : झाविमो की केन्द्रीय प्रवक्ता सुनीता सिंह ने रांची सहित पूरे प्रदेश की विधि-व्यवस्था की चरमराई हालत पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। जेवीएम प्रवक्ता ने कहा है कि राज्य की राजधानी रांची में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुकर्म की घटना ने देश भर में राज्य को शर्मसार किया है। राज्य भर में लगातार हो रहे नारी हिंसा ने भाजपा सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे की पोल खोल दी है। विधि-व्यवस्था की हालत पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जेवीएम ने कहा कि कल 1 दिसंबर को शाम में

मोरहाबादी अंतु चैक के पास दो अपराधियों ने आभूषण अलंकार ज्वेलर्स के मालिक भैरो प्रसाद पर चाकू व हथौड़ा से हमला कर दिया। कुछ दिनों पहले ही लालपुर में ज्वेलरी दुकान पर डकैती करने की कोशिश की गई थी। सुनीता सिंह ने कहा कि रांची सहित पूरे राज्य की विधि व्यवस्था चैपट है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों और बलात्कारियों को पुलिस द्वारा कहीं न कहीं संरक्षण प्राप्त है। तभी तो अपराधी कानून को अपने जेब में लेकर घूमते हैं। आमजन और व्यापारी दोनों को ही खुबकर सरकार सुखा देने में नाकाम रही है।

रांची : बाल मजदूरी विरोधी अभियान (सीएसीएल), झारखंड इकाई की ओर से एचपीडीसी सभागार में यूएनसीआरसी की 30वीं वर्षगांठ पर बच्चों की आवाज विषय पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएसीएल के राज्य समन्वयक रामलाल प्रसाद, आशा कल्याण के अजय जयसवाल, सवेरा फाउंडेशन के सचिव अशोक कुमार, रिसोर्स पर्सन के रूप में मनोहर कुमार आदि उपस्थित थे। संचालन समर्पण के सचिव इन्द्रमणि साहू ने किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए रामलाल प्रसाद ने कहा कि हम संस्थाओं के पास संसाधनों का घोर अभाव होता है परंतु, विचार, समय एवं कुछ नया करने की जिद एवं समाज के प्रति समर्पण की भावना होने के कारण लगातार संस्थाएं संघर्ष कर रही हैं। इसी के बदौलत आज बाल अधिकारों को जमीनी स्तर पर लागू करने में एक हद तक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि बाल अधिकार संधी ऐसा पहला अंतर्राष्ट्रीय समझौता (1989) है, जो सभी बच्चों के नागरिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अधिकारों को मान्यता देता है। इस समझौते को 193 देशों ने हस्ताक्षर करते

हुए क्रियान्वयन की प्रतिबद्धता दी है। जिसमें भारत भी एक है। बाबजूद आज भी बाल शोषण चहुँओर होता दिख रहा है। सरकार को इसके प्रति गंभीर होने एव हम स्वैच्छिक संस्थाओं को अपनी भूमिका और तेज करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अभी भी कई क्षेत्रों में छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने के बजाय मजदूरी के काम में लगे हुए हैं। बच्चियों को जन्म लेने से रोका जाता है। देश व राज्य में कई योजनाएं, कानून एवं नीतियां हैं इसके बावजूद घर व स्कूल में यौन उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। जबकि, बच्चों के लिए यह सबसे सुरक्षित माने जानेवाले जगह है। आशा के सचिव अजय

जयसवाल ने बच्चों के साथ नियमित हो रही घटनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि बच्चों के हित में कानूनों एवं नीतियों के क्रियान्वयन के लिए जिला व राज्य में जो आवंटन है उसका खर्च तरीके से नहीं हो रहा है। बाल मजदूरी के विरुद्ध चलाये गये अभियान से वसूले गये राशि का भी उपयोग बाल हित में नहीं किया जा सका है। उन्होंने कहा कि बाल अधिकार को धरातल पर उतारने के लिए बच्चे को समाज का हिस्सा एवं बाल मुद्दों को राजनीति का मुद्दा बनाना होगा।

अशोक कुमार ने बाल मजदूरी कौन करता है, बच्चे क्या चाहते हैं, बच्चों से काम कराने

वाले कौन है, इससे देश को क्या नुकसान होता है एवं संवैधानिक अधिकार क्या-क्या है आदि बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। दूसरे सत्र में प्रशिक्षक मनोहर कुमार ने अपने पीपीटी एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से संवैधानिक अधिकारों एवं देश व दुनिया के वस्तुस्थिति को बताते हुए कहा कि कुछ वर्षों में भारत ने कुछ क्षेत्रों में अभूतपूर्व तरक्की की है, लेकिन, इस उजाले तस्वीर पर कई दाग आज भी बरकरार हैं। हमारा मुल्क अभी भी भ्रूण हत्या, बाल व्यापार, यौन दुर्व्यवहार, लिंग अनुपात, बाल विवाह, बाल श्रम, स्वास्थ्य, शिक्षा, कुपोषण, मलेरिया, खसरा, निमोनिया आदि

री-लोकेटेड मतदान केंद्रों में मतदाताओं को लाने के लिए वाहन की व्यवस्था हो : विनय चौबे

संवाददाता

रांची : राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनय कुमार चौबे ने कहा है कि 30 नवंबर को पहले चरण में 13 सीटों के लिए हुए चुनाव को लेकर जो ऑब्जर्वेंशंस प्राप्त हुए हैं, उसके हिसाब से अगले चार चरणों में होनेवाले चुनाव के सिलसिले में तैयारियां और बेहतर व पुख्ता किए जाएं। श्री चौबे ने आज सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा कि किसी भी विधानसभा क्षेत्र में री-लोकेटेड मतदान केंद्रों में मतदान के दिन मतदाताओं को लाने के लिए वाहन की व्यवस्था करें, ताकि मतदान केंद्र की जानकारी नहीं होने की वजह से

कोई मतदाता अपने मतधिकार से वंचित नहीं रहे। इसके अलावा भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदान केंद्र के ले आउट के संबंध में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सभी मतदान कर्मी अपने-अपने मतदान कक्ष के अंदर बैठेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कृपानंद झा और शैलेश कुमार चौरसिया मौजूद थे। **हेलीड्रॉपिंग को लेकर लोकेशन का री-वैरिफिकेशन हो** : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि हेलीड्रॉपिंग के लोकेशन के को-ऑर्डिनेट्स का री-वैरिफिकेशन भवन निर्माण विभाग के पदाधिकारी व विशेषज्ञ अनिवार्य रूप से करेंगे। इस दिशा में सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक संबंधित विभाग

के साथ को-ऑर्डिनेट करेंगे, ताकि निर्धारित लोकेशन पर हेलीकॉप्टर की लैंडिंग को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं हो। **मतदान केंद्रों में मतदाताओं के बैठने की हो समुचित व्यवस्था** : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से कहा कि पहले चरण में कुछ मतदान केंद्रों में बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं होने की रिपोर्ट मिली है। इस वजह से टोकन सिस्टम के बाद भी मतदान के लिए मतदाता क्यू में खड़े थे। आनेवाले चरणों के चुनाव में मतदान केंद्र पर टोकन सिस्टम के सफल क्रियान्वयन की दिशा में मतदाताओं के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कलस्टर प्वाइंट पर सेंट्रल आर्म्ड

पुलिस फोर्स के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। **वेबकास्टिंग को लेकर एक दिन पूर्व हो ट्रायल** : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जानी है, वे मतदान के एक दिन पूर्व खुले रहेंगे और उस दिन वेबकास्टिंग का ट्रायल किया जाएगा, ताकि मतदान के दिन किसी तरह की दिक्कत नहीं आए। **ट्रेनिंग कियोस्क में दो ईवीएम और वीवीपैट की हो व्यवस्था** : मुख्य इंटरमीडियरी स्ट्रॉंग रूम बनाए गे हैं, वहां सभी अभ्यर्थियों के निर्वाचन अभिकर्ताओं के कलस्टर केंद्र में रात में रुकने के संबंध में निर्वाचन आयोग के जो प्रावधान हैं, उस संबंध में सीएपीएफ के नोडल अफसर को जानकारी दें, ताकि किसी तरह की गलतफहमी नहीं हो।

मतदान को लेकर जाहिर की गई चिंताओं के आलोक में सीएपीएफ की प्रतिनियुक्ति या वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाए, ताकि वहां मतदान प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की जा सके। **कलस्टर में अभ्यर्थियों के निर्वाचन अभिकर्ता के रात में रुकने को लेकर निर्वाचन आयोग के प्रावधानों का हो पालन** : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदान के पश्चात वैसे कलस्टर, जहां इंटरमीडियरी स्ट्रॉंग रूम बनाए गे हैं, वहां सभी अभ्यर्थियों के निर्वाचन अभिकर्ताओं के कलस्टर केंद्र में रात में रुकने के संबंध में निर्वाचन आयोग के जो प्रावधान हैं, उस संबंध में सीएपीएफ के नोडल अफसर को जानकारी दें, ताकि किसी तरह की गलतफहमी नहीं हो।

रांची : 2014 में झारखंड को मजबूत और स्थायी सरकार मिलने के बाद भारतपटल पर झारखंड को मिली वैश्विक पहचान पर चर्चा करते हुए कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि झारखंड में हिंदुस्तान के सभी राज्यों में सबसे समृद्ध राज्य बनने की क्षमता है क्योंकि झारखंड के पास प्राकृतिक संपदाओं का अंबार है और विरासत में मिले इस धन के साथ झारखंड भारतपटल पर अपनी एक मजबूत वैश्विक पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि जिस राज्य के पास ऐसे कर्तव्यनिष्ठ नौजवान हों तथा भगवान बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों की त्याग और तपस्या हो, वह राज्य पीछे रहने के लिए बना ही नहीं था पर अस्थायी और मिली जुली सरकारों के कारण झारखंड को अनावश्यक 14 वर्षों का वनवास झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल

बिहारी वाजपेयी जी ने झारखंड राज्य को इस सपने के साथ बनाया था कि विपुल प्राकृतिक संपदाओं से भरा यह राज्य पूरे हिंदुस्तान का भाग्य परिवर्तन करने में एक अहम भूमिका निभा सके। इन सपनों के साथ, इस आशा के साथ झारखंड का निर्माण हुआ था जिसे पूरा करने का बोझा खुबुर सरकार ने उठाया और गरीबों के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें एक सकारांी कार्यक्रम की तरह नहीं बल्कि सामाजिक अभियान की तरह चलाया जिसका प्रभाव आज जन जन के जीवन में आसानी से देखा जा सकता है। यूएनडीपी की रिपोर्ट ने भी यह साबित कर दिया कि अब झारखंड की जनता तेजी से गरीबी रेखा से ऊपर उठ रही है। कोडरमा सांसद ने प्रदेश के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार की समन्वयता पर बल देते हुए कहा कि पहले केंद्र और राज्य

सरकार में समन्वयता का इतना अभाव था कि योजनाओं के क्रियान्वयन में एक लंबा समय लग जाता था और कई-कई बार तो योजनाएं सिर्फ कागजों तक सीमित होकर रह जाती थी उन्होंने कहा कि पहले हम देखते थे कि भारत के पश्चिमी छोर पर तो आर्थिक गतिविधियां नजर आती थी पर भारत का पूर्वी छोर लगातार विकास की प्रतीक्षा कर रहा होता था और इन पूर्वी क्षेत्रों में हमारा झारखंड भी शामिल था जहां गरीबी ने पूरे झारखंड वासियों के सपनों को चूर-चूर कर रखा था, पर फिर आयी केंद्र में मोदी सरकार एवं राज्य में खुबुर सरकार ने केंद्र और राज्य की समन्वयता के पूरे प्रोसेस को इतना आसान बनाया कि आज लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ एक साथ एक ही समय पर मिल जाता है जिससे उनके कार्यक्षेत्र में एक सुगमता स्थापित हो जाती है।

पांचवें चरण के लिए 113 प्रत्याशियों ने भरा पर्चा संवाददाता

रांची : पांचवे व अंतिम चरण के विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की चल रही प्रक्रिया के तीसरे दिन दिन कुल 113 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा। इसके अंतर्गत राजमहल सीट के लिए 11 बोरियो सीट के लिए 09 बरहेट सीट के लिए 05 लिट्टीपाड़ा सीट के लिए 07, पाकुड़ सीट के लिए 4, महेसपुर सीट के लिए 06, शिकारीपाड़ा सीट के लिए 6, दुमका सीट के लिए 7, जामा सीट के लिए 7, जरमुंडी सीट के लिए 13, नाला सीट के लिए 5, जामताड़ा सीट के लिए 6, गोड्डा सीट के लिए 9 और महगामा सीट के लिए 7 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस तरह इन 16 सीटों के लिए अबतक कुल 181 प्रत्याशी नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं।

चौथे चरण में कुल 221 प्रत्याशी चुनाव मैदान में 08 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र लिया वापस

संवाददाता

रांची : विधानसभा के चौथे चरण में कुल 221 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में रह गए हैं। सोमवार को नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन कुल 08 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन पत्र वापस लिए। इस तरह अब मधुपुर सीट के लिए 13 देवघर सीट के लिए 12 बगोदर सीट के लिए 12 जमुआ सीट के लिए 14, गांडेय सीट के लिए 12 गिरिडीह सीट के लिए 12, डुमरी सीट के लिए 15, बोकारो सीट के लिए 25, चंदनबयारी सीट के लिए 15, सिंदरी सीट के लिए 16, निरसा सीट के लिए 8, धनबाद सीट के लिए 22, झरिया सीट के लिए



17, टुंडी सीट के लिए 13 और बाघमारा सीट के लिए 15 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। **कहां से कितने प्रत्याशियों ने पर्चा वापस लिया** : चौथे चरण के चुनाव को लेकर नामांकन पत्र वापस लेने के अंतिम दिन बगोदर से 1, गांडेय से 2, चंदनबयारी से 2, सिंदरी से 1 और बाघमारा से 2 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन पत्र वापस लिए।

दम है तो बरहेट का रिपोर्ट कार्ड जारी करें हेमंत सोरोन: रमेश हांसदा

रांची : भाजपा संथाल परगना के सह प्रभारी रमेश हांसदा ने झामुमो नेता हेमंत सोरोन पर निशाना साधते हुए पूछा है की हेमंत सिर्फ चुनाव के समय ही बरहेट में नजर क्यों आते हैं? यह सवाल बरहेट की जनता का भी है की चुनाव के बाद हेमंत बरहेट में क्यों नहीं दिखते? वह इसलिए दुमका चुनाव हारे थे। बीजेपी ने मांग की है के अगर दम है तो बरहेट का रिपोर्ट कार्ड हेमंत सोरोन जारी करें। वह बताएं की चुनाव के बाद बरहेट में क्यों नहीं दिखते? हेमंत पता है कि बरहेट में पिछले 5 वर्ष में कितने बार गए? वह यह भी बताएं की बरहेट के विकास के लिए क्या-क्या किया? हेमंत को यह भी बताना चाहिए कि एमएनए एलएडी फंड का उपयोग कहां कहां किया है। रमेश हांसदा ने कहा की हेमंत को पता है कि उनके पास इन सवाल्लों के जवाब नहीं हैं, पर वे जनता के सवाल्लों से बचकर अपनी जान नहीं छुड़ सकते।

मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम का राज्यस्तरीय उद्घाटन चार फेज में बच्चों का कराया जाएगा टीकाकरण

रांची : स्वास्थ्य सचिव डॉ नितीन मदन कुलकर्णी ने सोमवार को ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0 ’’ कार्यक्रम का राज्य स्तरीय उद्घाटन सिविल सर्जन रांची के सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मौके पर डॉ कुलकर्णी ने निर्देश दिया कि ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0’’ का मुख्य उद्देश्य सभी बच्चों को रोग प्रतिरोधक टीकाकरण सुनिश्चित करना है। राज्य के सभी सिविल सर्जन एवं जिला आरसीएच पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राज्य-जिला-प्रखंड-स्वास्थ्य उपकेंद्र तक इसका समुचित पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाय। अगर किसी भी क्षेत्र में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो इसके लिए संबंधित सिविल सर्जन एवं जिला आरसीएच पदाधिकारी जिम्मेवार होंगे। पर्यवेक्षण सहयोगात्मक एवं त्रुटिनिवारक होना चाहिए। प्रत्येक जिला के लिए इस कार्यक्रम में समुचित पर्यवेक्षण हेतु राज्य स्तरीय पदाधिकारियों को नामित किया गया है जिनके देखरेख में यह कार्यक्रम संचालित किया जाना है। इस दौरान

स्वागत भाषण में सिविल सर्जन डॉ विजय बिहारी प्रसाद ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यपूर्ण टीकाकरण से छुटे हुए ऐसे बच्चे के लिए आयोजित है जिन्होंने या तो टीकाकरण कराया ही नहीं है अथवा टीकाकरण अंतर्गत कोई वैकसीन छुट गया है। इस दौर नोडल पदाधिकारी डॉ अमर कुमार मिश्रा द्वारा जानकारी दी गई कि ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0’’ कार्यक्रम अंतर्गत झारखंड राज्य के सभी जिलों में कुल 55075 बच्चों का टीकाकरण पूर्ण किया जाना है। ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0’’ कुल चार फेज में संपन्न किया जाना है जिसके अंतर्गत दो दिसम्बर, छह जनवरी 2020, तीन फरवरी 2020 एवं दो मार्च 2020 को किया जाना है। प्रत्येक चरण में कुल 07 काय दिवसों में लगातार टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इस कार्य दिवस में अगर किसी प्रकार की छुट्टी होगी तो अगले दिन यह कार्यक्रम किया जायेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के रोजनल टीम लीडर डॉ अमरेंद्र कुमार ने मौके पर कहा कि इस कार्यक्रम के समुचित क्रियान्वयन हेतु जिला एवं प्रखंड स्तर पर

स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस एवं अन्य संबंधित विभागों के साथ बैठक आयोजित कर ली गई है। हेड काउण्ट के उपरांत माइक्रोप्लानिंग किया गया है। इसके अतिरिक्त शहरी क्षेत्रों, मलिन बस्ती, दुरस्त एवं दुरगामी क्षेत्रों के लिए अलग से कार्य-योजना तैयार की गई है। लोगों को कार्यक्रम के प्रति जागरूक करने के लिए प्रचार-प्रसार अंतर्गत माईकिंग, प्रभात फेरी, रैली, नुक्रड़ नाटक होडिंस, फ्लैक्स आदि में माध्यम प्रचार-प्रसार किया गया है। धन्यवाद ज्ञापन उपनिदेशक स्वास्थ्य सेवायें डॉ यूसी सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश कुमार सिंह, द्वारा किया गया। मौके पर डॉ अतुल, डॉ विकास बल्लभ, डॉ प्रतिभा नारायण अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ बीएन पोद्दार जिला यक्ष्मा पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

स्वागत भाषण में सिविल सर्जन डॉ विजय बिहारी प्रसाद ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्यपूर्ण टीकाकरण से छुटे हुए ऐसे बच्चे के लिए आयोजित है जिन्होंने या तो टीकाकरण कराया ही नहीं है अथवा टीकाकरण अंतर्गत कोई वैकसीन छुट गया है। इस दौर नोडल पदाधिकारी डॉ अमर कुमार मिश्रा द्वारा जानकारी दी गई कि ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0’’ कार्यक्रम अंतर्गत झारखंड राज्य के सभी जिलों में कुल 55075 बच्चों का टीकाकरण पूर्ण किया जाना है। ‘‘सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0’’ कुल चार फेज में संपन्न किया जाना है जिसके अंतर्गत दो दिसम्बर, छह जनवरी 2020, तीन फरवरी 2020 एवं दो मार्च 2020 को किया जाना है। प्रत्येक चरण में कुल 07 काय दिवसों में लगातार टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इस कार्य दिवस में अगर किसी प्रकार की छुट्टी होगी तो अगले दिन यह कार्यक्रम किया जायेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के रोजनल टीम लीडर डॉ अमरेंद्र कुमार ने मौके पर कहा कि इस कार्यक्रम के समुचित क्रियान्वयन हेतु जिला एवं प्रखंड स्तर पर

न्यूज गैलरी

हैदराबाद गैंगरेप-हत्या मामले में छात्राओं का फूटा गुस्सा



धनबाद। हैदराबाद में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद जलाकर मारने की घटना से पूरा देश आंदोलित है देश भर में क जगहों पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं, कैडल मार्च निकाले जा रहे हैं और प्रोटेस्ट मार्च निकाले जाते जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को धनबाद एसएसएनएनटी की छात्राओं ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले प्रोटेस्ट मार्च निकाला और बलात्कारियों को फांसी देने की मांग की। उन्होंने देश के कानून को और अधिक सख्त करने एवं बलात्कार जैसे घृणित कार्य करने वालों को फांसी से भी कड़ी सजा देने की मांग की। एवं चुनाव को लेकर ये भी कहा के अगर महिला को संकेतक सुस्था प्रदान नहीं करती है तो हम लोग आंदोलन के लिए उग्र हो जाएंगे।

एलइडी वैन से चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान धनबाद। विधानसभा चुनाव 2019 को बाघमारा प्रखंड के छोटानगर पंचायत के तीलातांड बस्ती में एलइडी वैन के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर लोगों को मतदाता का महत्व बताया गया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन/वीवीपै के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

मतदाताओं को वोटस हेल्पलाइन सख्या 1950 को जानकारी दी गई एवं आचार संहिता के उल्लंघन संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज करने के लिए सी विजिल एप की जानकारी दी गई।

लोगों को यांय महिला एवं दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मदददाताओं के निबंधन की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि मदददाता अपने चोटपत्र, पदचान पत्र व मददान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए चोटपत्र हेल्पलाइन एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी जागरूकता संबंधित वीडियो को एलआईडी वेन के माध्यम से दिखाया गया। अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में लोगों ने मददान के बारे में जानकारी प्राप्त की।

एलइडी वैन से चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

धनबाद। विधानसभा चुनाव 2019 को बाघमारा प्रखंड के नगरीकल उन्नत पंचायत के पहाड़पुर बस्ती में एलटीडी वैन के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलता गया। एस अवसर पर लोगों को मतदाता का महत्व बताया गया। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन /वीवीपेट के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। मतदाताओं को वोटर्स हेल्पलाइन संख्या 1950 की जानकारी दी गई एवं आचार संहिता के उल्लंघन संबंधित कोई भी शिकायत दर्ज करने के लिए सी विजिल एप की जानकारी दी गई। लोगों को योग्य महिला एवं दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाताओं के निबंधन की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि मतदाता अपने वोटर पहचान पत्र व मतदान केंद्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए वोटर हेल्पलाइन एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी जागरूकता संबंधित वीडियो को एलटीडी वैन के माध्यम से दिखाया गया। अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान के बारे में जानकारी प्राप्त की।

आरटीआई कार्यकर्ता ने अनियमितता के विरुद्ध कतरास कॉलेज के प्राचार्य को कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा

धनबाद/कतरास। सोमवार को आर्टीआई कार्यक्रमता सह जनसभा के जिला प्रतिनिधि अरविंद सिन्हा ने अनियमितता के विरुद्ध कतरास कॉलेज के प्राचार्य को कुलपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। आर्टीआईई का कार्यकर्ता ने बताया कि उन्हें कॉलेज के कुछ छात्रों ने फोन करके कॉलेज में नियमित रूप से कक्षा ना चलने की और प्रैक्टिकल परीक्षा में जानबूझकर सभी को भेदभाव करके कम नंबर देने की बात कही। कुछ छात्रों ने बताया कि वे लोग तोपचांबी, राजगंज और मेहेरपुर जैसे दूर क्षेत्रों से साइकिल से चल्कर कक्षा करने के लिए आते हैं। लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण और जो हैं उनकी मनमानी के कारण कक्षा नहीं होने से निराश होकर लड़ते जाते हैं। फॉर्म लेने या जमा करने के लिए पर्याप्त कार्डेंट नहीं होने के कारण एक ही कार्डेंटर में छत्र एवं छत्राएं खड़े होकर लंबी लाइन में लग जाते हैं जिससे की अव्यवस्था उत्पन्न होता है। इन सभी समस्याओं को लेकर ही उन्होंने प्राचार्य को अपने छह मांग पूरा करने के लिए ज्ञापन सौंपा जिसमें-
प्रथम बिषय में शिक्षक नहीं है उस बिषय में नामांकन नहीं लेने एवं लगभग 10,000 छात्र-छत्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय बन्वाये और जो है उसकी नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने की मांग भी शामिल है। अरविंद सिन्हा ने बताया कि यदि अति शीघ्र इन सभी छह मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो वह अपने सामाजिक संस्था जनसभा के माध्यम से कॉलेज से लेकर विश्वविद्यालय तक की लड़ाई लड़ेंगे और छात्रों को इसका अधिकार दिलाएंगे। मौके पर कतरास कॉलेज के अध्यक्ष मंडल सिंह, रूपलाल सिंह, बिजय सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

जेण्डर आधारित हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान के तहत जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन



आधारित हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान के तहत जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का आयोजन झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा क्रिया के सहयोग से किया गया। सेमिनार में सहिष्णु, सौहार्द, पोषण सखी, पंचायत प्रतिनिधि एवं स्वयं सेवी संस्थाओं से कुल 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अर्चना सिंह, मुखिया विनोदश्वर महतो, झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर खानी एवं सचिव हेलीमा एजाज ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सचिव हेलीमा एजाज ने कहा कि नजरिया बदलो सोच को बदलो कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेण्डर आधारित हिंसा एवं भेदभाव को समाप्त करना है, हमारी संस्थान झारखण्ड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा क्रिया के सहयोग से 16 दिवसीय अभियान चला रही है। सेमिनार में व्यक्तिगत पेपर गैलरी के माध्यम से भेद भाव को पहचानने एवं समाप्त करने को तैयार किया गया। खेल एवं गीत संगीत के माध्यम से समाप्त

गैंगरेप की घटना के विरोध में शांतिपूर्वक मौन जुलूस

प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल का
पांडेयडीह से सोमवार को
तेलंगाना व रांची में हुवे गंगोत्री
की घटना के विरोध में
शांतिपूर्वक मौन जुलूस
निकाला गया। बताया गया कि
तेलंगाना की घटना ने पूरे
देश को झकझोर कर रख दिया
है। जिससे भारत की महिलाएँ
एवं बेटियाँ खुद को असुरक्षित
महसूस कर रही हैं। वहीं रांची
में भी लाखों कॉलेज की छात्रा स
सामूहिक दुष्कर्म हुवा है। इस

को लेकर प्रकाश पुंज पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा इस जघन्य घटना की घोषणा निंदा की जा रही है। मौके पर विद्यालय के प्रिंसिपल रमेश सुंदर प्रसाद वर्मा ने कहा कि देश में इस प्रकार की घटना आए दिन बढ़ती जा रही है जिसके लिए मुख्य रूप से आधुनिक शिक्षण व्यवस्था एवं पाश्चात्य संस्कृति जिम्मेवार है। प्रति समय रहते इसे सुधार नहीं गया तो सामाजिक ताना-

बाना बिगड़ जाएगा आने वाले
समय में गंभीर परिणाम
भगतने पढ़ेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में लीलावती वर्मा, मेनका महतो, संजय सिन्हा, सुनीता दत्ता, ज्योति सिन्हा, प्रमोद कुमार, प्रेमजीत कौर, सुरभि कुमारी, पूर्णिमा महतो, जियमन कुमारी, जयवती, ज्योति मुर्मू, अनिकेत घोष इत्यादि की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

**पांच दुकानों में ताला तोड़ कर नगदी
समेत खाने पीने की सामान ले उड़े चोर**

लेदा पंचायत में रविवार रात कुल पांच दुकानों में चोरों ने ताला तोड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस घटना को चोरों ने रात के करीब 12 बजे के बाद अंजाम दिया है।

यहां बता दें कि रात में दस बजे से ही इस क्षेत्र की बिजली गूल थी जिसके कारण पूरे क्षेत्र में अंधेरा पसर चुका था। उसी का फायदा उठा कर चोर

न घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि चोरों ने लेटा बस स्टैंड स्थित उर्फ देवेंद्र की गश्त दुकान का ताला तोड़ कर सात हजार नगदी समेत खाने पीने की सामान ले गये। वहीं बालविकास सेंटर के पास स्थित शंकर पंडित वे गमुटी वाले होटल से सोलह सौ नगदी समेत दुकान से करीब बीस हजार नगदी मूल्य के सामान को चोरों ने उड़ा लिया। इसके अलावा नकल हजाम की

सैलून दुकान से 250 रुपये नगदी,
 हेयर काटने की मशीन तथा मोपा देखी
 की पीडीएस दुकान से ताला तोड़ कर
 तीन सौ रुपये नगदी निकाल ले गये
 चोर। वहीं अन्य दो पवन कुमार बर्मा
 की स्टीडयो एवं गमु गम की दुकान का
 भी चोरे ने ताला तोड़ दिया। लेकिन इन
 दोनों की दुकान से कुछ चोरे नहीं हूया
 है। इस घटना से अन्य दुकानदारों में
 दहसत का मौहौल है।

हैदराबाद बलात्कार व निर्मम हत्या प्रकरण में दोषी को फाँसी की माँग सज़ा की माँग



महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही हैं, सरकार निर्णय बनाया है पर सिर्फ छोटी बच्चियों के सुरक्षा देखते हुए करता हूँ लेकिन साथ ही उन महिलाओं का क्या जो बालिकाओं को नियम बनानी चाहिए। कैडल मार्च में मुख्य रूप से भारी सड़काने, मनीष शॉ, सोनु कुमार, लक्ष्मी कुमार, अमित कुमार कुमार अद्वि लोग शामिल थे।

धनबाद/कतरास। तेलुमारी में
थुलाओं ने कैडल मार्च निकाला कर
हैदराबाद की प्रियंका रेड्डी बलात्कार
व निर्मम हत्या के विरोध में
तेलुमारी स्टेशन से सुभाष चौक
तक कैडल मार्च दिपेश चौहान के
नेतृत्व में निकल गया। बलात्कार की
समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती चली
जा रही है जिससे हमारे देश की
ने बलात्कार के ऊपर कठोर
में इसका पूर्ण रूप से स्वागत
हो उनके लिए भी ऐसे ही कोई
थ कुमार, मुकेश सहानी, राहुल
इ कुमार, बैजनाथ कुमार , रविन्द्र

चुनाव में जीत के बाद क्षेत्र में विकास की गति को और तेज करूँगा: दुलू



धनबाद/कतरास। कतरास रानी बाज़ार में भारतीय जनता पार्टी कतरेस मण्डल के द्वारा नुकड़ सभा का आयोजन किया गया। सभा में बड़े बुजुर्गों ने भाग लेकर एक स्वर में कहा कि आगामी विधानसभा में 16 दिसम्बर 2019 को मतदान देकर विधायक दुलू मरतो को भारी बहुमत देकर विजयी दिलाने का काम करेंगे। सभा को संबोधित करते हुए माननीय विधायक ने कहा कि आपके आशीर्वाद से मैं दो बार विधायक बन कर आपकी सेवा किया हूँ और क्षेत्र में विकास का काम किया है उसी प्रकार इस बार चुनवाने जीत के बाद क्षेत्र में विकास की गति को और तेज करूँगा। लोग तरह तरह की बातें करते है पर मैं आपकी सेवा पर पर विस्वास रखता हूँ। मैं आप सबो को विस्वास दिलाता हूँ कि आपके विस्वास पर खुदा उतरने का काम करूँगा। आने वाले समय जनभावनाओं से जुड़े समस्याओं को निदान करने का काम करूँगा। मैं आपका सेवक हूँ आप मुझे अपना भाई - बेटा समझ कर मुझे निर्देश दीजिये। 70 वर्षों के दरम्यान मोदी जी नेतृत्व को पूरा विश्व लोहा माना। मोदी जी के नेतृत्व में देश मे विकास की नई गाथा लिखी गई। कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, मुख्यरूप से अशोक सिंह, शम्भू सिंह, बच्चा सिंह, अभय सिंह, दान सिंह, हरजीत सिंह, गंगा साव, रंजीत रवानी, विशाल शर्मा, बबलू बनर्जी, छोटू पासवान आदि शामिल थे।

सूबे में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन की बनेगी सरकार: फूलचंद मंडल



क्रम में झाड़ुमो के सिंदरी विधानसभा प्रत्याशी फूलचंद मंडल, निरसा समेत कई कार्यकर्ता और नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की जिम्मेवारी विधानसभा प्रत्याशी अशोक मंडल ने कहा कि पिछले 25 वर्षों से ल किया है। इससे निजात दिलाने के लिए झाड़ुमो ने पूरी तरह कमर कस मतों से जीत हासिल कर निरसा की जनता को लाल झंडे से निजात

उधर, सिंदरी विधानसभा प्रत्याशी फूलचंद मंडल ने बताया कि सरकार बनने जा रही है। जिसके लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा और मम सरकार और खुबुर सरकार से राज्य की जनता को निजात दिलाने के के साथ मिलकर सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सा विधानसभा कार्यकाल में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों को संस वाले समय में सिंदरी की कायाकल्प की जाएगी।

तेलंगाना की घटना के विरोध में बच्चों ने निकाला विरोध मार्च

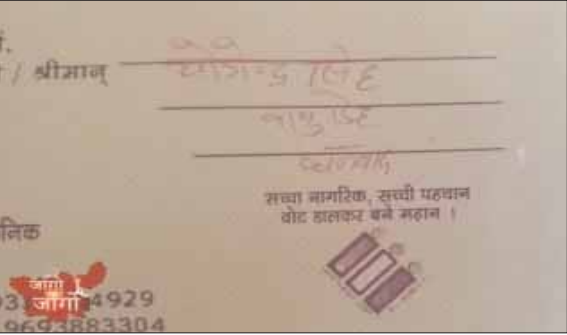
सरिया गिरिडोह। हैदराबाद की महिला चिकित्सक प्रियंका रेड्डी के साथ दरिदों द्वारा किए गए दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या के विरोध में सरिया स्थित किशोरो मेमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चे सड़क पर उतरे। तस्वीर लिए हुए बच्चों ने उक्त घटना के विरोध में सरिया के प्रमुख मार्गों में सोमवार को विरोध मार्च निकाला। वहीं झंडा चौक तथा भगत सिंह चौक पर भी मोमबत्ती जलाकर उस आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर विद्यालय के छात्रा सुमित्रा कुमारी ने कहा कि :-उसने पहले किताबों में पढ़ा था कि मनुष्य के पूर्वज जानवर थे:- +परंतु आज अखबारों में पढ़ता हूँ कि मनुष्य आज भी जानवर है:- वहीं छात्रा खुशी कुमारी ने कहा कि :-पहले लकड़ियों को चूल्हा में जलाया जाता था:- +परंतु :-आज दरिदों के द्वारा लड़कियों को जलाया जाता है:- बच्चों ने कहा कि हम देश के बच्चे वतन के रखवाले हैं +हमें भी जीने का हक है हमें ना मारो:- वे तेलंगाना की घटना से अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं। बच्चों ने सरकार व न्यायापालिका से उन वशशी-दरिदों को फांसी की सजा की मांग की है। इस विरोध मार्च में विद्यालय के शिक्षक अभिजीत गोस्वामी, अनिलनंद मोदी,रीना यादव, लवली कुमारी, रितु कुमारी सिंह, रश्मि कुमारी आदि मौजूद थी।

अवैध शराब कारोबारियों पर फिर गिरा गाज, दो गिरफ्तार



भी की गई। बताया गया कि शराब धनबाद के गोविंदपुर से देवघर जा रहा था। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम अमित कुमार पासवान जो मुंगेर जिला का रहने वाला बताया जा रहा है। वहीं दूसरा व्यक्ति अमित कुमार है जो पॉलिटेक्निक कॉलेज धनबाद के समीप का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछ ताछ कर आगे की कार्रवाई में लगी हुई है।

मतदाताओं को जागरूक करने का अनोखा तरीका, शादी के आमंत्रण कार्ड में स्लोगन लिख कर रहे वोट देने की अपील



धनबाद। झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। निर्वाचन आयोग की तरफ से जहाँ एक ओर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है तो दूसरी तरफ धनबाद के रहने वाले पांडेय परिवार ने भी मतदाताओं को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। निर्वाचन आयोग के साथ- साथ अब आम जनता भी अपने-अपने तरीके से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

[illegible]

धनबाद: निवाचन आयोग के साथ- साथ अब आम जनता भी अपने-अपने तरीके से लोगों की मतदान के प्रति जागरूक कर रहे हैं। बेटे की शादी पर धनबाद के एक परिवार ने मतदाताओं को वोट देने की अपील कर रहे हैं। बाबूजी के रहने वाला पांडेय परिवार अपने बेटे की शादी पर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। आमंत्रण तो हर कोई देता है, लेकिन इस परिवार ने जो काम इस शादी के मौके पर किया है, वह तारीफ़ के लायक है। लोगों को शादी पर आमंत्रित करने के साथ ही 16 दिसंबर को धनबाद में होने वाले चुनाव में मतदान करने की अपील भी की जा रही है। देखें पूरी खबर वधू मिलकर करेंगे अतिथियों से मतदान की अपील%सच्चा नागरिक सच्ची पहचान, वोट डालकर बने महाना% यह स्थूलयोग आमंत्रण कार्ड पर लिखा हुआ है। जहां भी लोगों को शादी का आमंत्रण जाएगा साथ में यह संदेश भी जाएगा। दुल्हे शशिभूषण पांडेय ने कहा कि जिस तरह से शादी बड़े ही धूमधाम से की जाती है। उसी तरह लोग मतदान भी धूमधाम के साथ करें। एक अच्छी सरकार के लिए मतदान बेहद ही जरूरी है। वर वधू और परिवार के लोग मिलकर 14 नवंबर को प्रतिभोज में शामिल होने वाले सभी अतिथियों को 16 दिसंबर को मतदान करने की भी अपील करेंगे। ये भी कहा- कांग्रेस और जेएमएम की दोस्ती कुर्सी की अवसरवादी गबंधन जेपी नड्डापुरा परिवार कर रहा वोट देने की अपीलदुल्हे के पिता चन्देश्वर पांडेय का कहना है कि 12 दिसंबर को छोटे बेटे शशिभूषण पांडेय की शादी है और 14 दिसंबर को प्रतिभोज का आयोजन रखा गया है। यह समय चुनाव के बहुत करीब है। जिस वजह से लोगों को वोट करने की अपील कर रहे हैं। दुल्हे की मां मनोरमा पांडेय कहती हैं कि बेटे की शादी में लोगों को जितनी खुशी और उत्सुकता होती है। उसी खुशी और उत्सुकता के साथ लोग मतदान में भी शामिल हों। उन्होंने लोगों से अपील की है कि मतदान में सभी बड़ चढ़कर हिस्सा लें।

**झारिया में लगाए जाएंगे डस्टबिन दिल्ली
पब्लिक स्कूल के तरफ से: प्राचार्य**

नयाबाद। समाधान शिक्षादान की नई पाठशाला दिनांक 1 दिसंबर 2019 दिन रविवार साप्ताहिक जांच परीक्षा झरिया जिल्ड्रंस पार्क समाधान में पढ़ रहे छात्रों के बीच साप्ताहिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा नर्सरी से कक्षा दसवीं तक के बच्चों ने हिस्सा लिया साथ-साथ कंप्यूटर और ड्राइंग की प्रतियोगिता को भी शामिल किया गया प्रतियोगिता के दरमियान बच्चों से मौखिक रूप से प्रश्न भी पूछे गए मौखिक रूप से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया बच्चों से सामान्य ज्ञान से संबंधित अलग-अलग प्रश्न पूछे गए बच्चों ने उत्साह पूर्वक उनके उत्तर दिए अलग आजा के इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में आए देहली पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती सरिता सिन्हा और समाजसेवी श्रीमान रूपेश सिन्हा द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय आए बच्चों को अपने हाथों से पुरस्कृत किया और उनका उत्साह बढ़ाया श्रीमती सरिता सिन्हा ने बच्चों के साथ आए अभिभावकों से रुबरु हुए और उनसे बिनाचीत किया इसके साथ श्रीमती सरिता सिन्हा झरिया में एक अगोखी पहल की शुरुआत करने जा रही है जिसमें झरिया के अलग-अलग क्षेत्रों में डस्टबिन लगवाने का काम करेंगे ताकि हमारा झरिया साफ सुथरा और स्वच्छ बन सके मौके पर समाधान के संस्थापक श्रीमान चंद्रमन सहमे 20 स्वयंसेवक बिट्टू रविंद्र सौरभ चंद्रमा संतोष बंटी अशोक अमित सक्शन रोहित आबदा जूही सोनी प्रिया प्रियंका आदि मौजूद थे

न्यूज गैलरी

तेलंगाना की घटना के विरोध में बच्चों ने निकाला विरोध मार्च



सरिया/गिरिडीह। हैदराबाद की महिला चिकित्सक प्रियंका रेड्डी के साथ दरिंदों द्वारा किए गए दुष्कर्म के बाद उनकी हत्या के विरोध में सरिया स्थित किशु मेमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चे सड़क पर उतरे। तख्ती लिए हुए बच्चों ने उक्त घटना के विरोध में सरिया के प्रमुख मार्गों में सोमवार को विरोध मार्च निकाला। वहीं झंडा चौक तथा भगत सिंह चौक सरिया में मोमबत्ती जलाकर उस आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर विद्यालय के छात्रा सुमित्रा कुमारी ने कहा कि ->उसने पहले किताबों में पढ़ा था कि मनुष्य के पूर्वज जानवर थे-> परंतु आज अखबारों में पढ़ता हूं कि मनुष्य आज भी जानवर है-> वहीं छात्रा खुशी कुमारी ने कहा कि ->पहले लकड़ियों को चूल्हा में जलाया जाता था-> परंतु ->आज दरिंदों के द्वारा लड़कियों को जलाया जाता है-> बच्चों ने कहा कि हम देश के बच्चे वतन के रखवाले हैं ->हमें भी जीने का हक है हमें ना मारो-> वे तेलंगाना की घटना से अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हैं।बच्चों ने सरकार व न्यायपालिका से उन वधशी-दरिंदों को फांसी की सजा की मांग की है। इस विरोध मार्च में विद्यालय के शिक्षक अभिजीत गोस्वामी, अभिनंदन मोदी,रीना यादव, लवली कुमारी, रितु कुमारी सिंह, रश्मि कुमारी आदि मौजूद थी।

विकास के मुद्दे पर गोलबंद हुआ समाज: आनंद शंकर

मेदिनीनगर। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर ने कहा कि विकास के मुद्दे पर लगभग सभी समाज के लोगों ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। पलामू जिले में मतदान संपन्न होने के बाद वे सोमवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। श्री शंकर ने कहा कि इस बार अन्य



लोगों के अलावा दलितों पिछड़ों महिलाओं और व्यवसायियों ने दिल खोलकर भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने इसके लिए सभी मतदाताओं का आभार जताया। शंकर ने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी बधाई के पात्र हैं। चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही के भांजे प्रशांत सिंह की दुर्घटना में हुई मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशांत सिंह के निधन से केवल भानुशाली के परिवार को ही नुकसान नहीं पहुंचा है बल्कि पूरे समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। श्री शंकर ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा चेंबर परिवार भानु प्रताप शाही के साथ खड़ा है।

पांकी विधानसभा: रिकॉर्ड मतों से करेंगे जीत दर्ज: शशिभूषण

भाजपा प्रत्याशी डॉ शशि भूषण मेहता ने पांकी विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को जताया आभार

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कुशवाहा डॉ शशि भूषण मेहता में मतदान खत्म होने के बाद विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदाताओं को आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के मतदाता इस बार शांति का संदेश दिया है। इसके लिए सभी मतदाता आभारी हैं। उन्होंने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने वाले जिला प्रशासन के तमाम पदाधिकारी को धन्यवाद दिया है। कहा कि किसके लिए जिला प्रशासन के तमाम पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि इस बार वे रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने भावनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी भानु प्रताप शाही के भांजे प्रशांत सिंह की दुर्घटना में हुई मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रशांत सिंह के निधन से केवल भानु परिवार कोई नुकसान नहीं पहुंचा है बल्कि पूरे समाज के लिए अपूर्ण क्षति है। कहां की दुख की इस घड़ी में पूरा हम सभी परिवार भानु प्रताप शाही के साथ खड़ा है।

बंदूक की नोक पर वोट लेना चाहते हैं त्रिपाठी: आलोक



पलामू जिले के डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी आलोक चौरसिया ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी के त्रिपाठी बंदूक की नोक पर वोट लेना चाहते हैं। श्री चौरसिया ने कहा कि भाजपा के पक्ष में मतदान देख केएन त्रिपाठी घबरा गए। उन्होंने कहा कि केएन त्रिपाठी हर

से हताश होकर उनके समर्थकों के साथ मारपीट कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी आलोक चौरसिया कहा कि इस बार भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे।

पुलिस ने की अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी



मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शांतनु कुमार अग्रहरी के आदेश अनुसार उत्पाद अधीक्षक के निर्देशानुसार अवर निरीक्षक उत्पाद गणेश चौधरी ने गृह रक्षक बल और उत्पाद सिपाही

के सहयोग से जिले के लेस्तीगंज में थाना क्षेत्र के गोपालगंज और मुमुसी में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी की। इस दौरान उत्पाद विभाग के टीम ने 20 लीटर अवैध जुलाई शराब और 290 किलो जावा महुआ बरामद किया। अवर निरीक्षक गणेश चौधरी ने बताया कि इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ अभियोग दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि इन गांव में बड़े पैमाने पर अवैध शराब के कारोबार हो रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग ने यह करवाई चाहिए। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई होने के बाद शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है। लोग शौचालय की टंकी में अवैध शराब के लिए महुआ फूला रहे थे। उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके बावजूद अवैध शराब पर अंकुश नहीं लग रहा है।

जेवीएम नेता मनीष चौधरी के नेतृत्व ने दर्जनों लोगों ने थामा भाजपा का दामन

जमुआ। भाजपा प्रत्यासी केदार हाजरा ने सभों को दिलाया पार्टी का सदस्यता। जेवीएम नेता मनीष चौधरी एवं राहुल सिंह के नेतृत्व में सोमवार को दर्जनों लोगों ने विधायक केदार हाजरा की उपस्थिति में भाजपा का सदस्यता ग्रहण किये।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जमुआ प्रत्यासी सह वर्तमान विधायक केदार हाजरा ने कहा कि भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ी है नित्य लोग भाजपा का सदस्यता ग्रहण कर रहें हैं, उन्होंने भाजपा का सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नवयुवकों को माला पहना कर पार्टी का सदस्य बनाये, मौके पर उन्होंने सभी



नवयुवकों को बधाई एवं शुभकामना दिए।

विधायक श्री हाजरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर एक समुदाय सम्प्रदाय जाति पंत के विकास के लिए योजनाओं का निर्माण करती है, किसी भी प्रकार के भेद नहीं करती उन्होंने सरकार की गतिविधियों को लेकर बताते

हूए कहा कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे आवास निर्माण योजना उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री सुकन्या योजना आदि हर प्रकार की योजनाओं का लाभ सभी समुदाय को भी पहुंचाया जा रहा है। अन्य दल सिर्फ मुस्लिम समुदाय को भटका कर रखती थी,

निज़ामों के शहर हैदराबाद में हुई ऐसी वारदात, जिससे इंसानियत भी शर्मा जाए

बेरमो चंदन दुबे

बेरमो। निज़ामों का शहर है हैदराबाद, भाग्यनगर भी इसे बोला जाता है. और तहज़ीब इसकी फ़िरतत. लेकिन इस शहर में ऐसी वारदात हो गयी की, दिल्ली का निर्भया कांड याद आ गया. एक लड़की के साथ सर्द रातों में राजधानी की सड़कों पर जो हुआ था. उससे पूरा देश उबल गया था. हुक्मरानों के होश उड़ गये थे. तात्कालिक दिल्ली सल्तनत की चूल्हें हिल गयीं थीं. दरअसल 2012 का निर्भया कांड था ही इतना खौफनाक. ठीक वैसा ही हैदराबाद में हुआ ऐसा वारदात, जिससे इंसानियत भी शर्मा जाए. और बार-बार सोचने को मजबूर करे की भला एक इंसान एक इंसान के साथ ऐसा कैसे कर सकता है? एक अबला के साथ ऐसा सलूक कैसे किया जा सकता है? बलात्कार और जिन्दा कैसे जलाया जा सकता है? डॉ

प्रियंका के साथ ऐसा ही हुआ. वो दुनियां में नहीं हैं. अब उनकी यादें ही शेष बची हैं. उनकी कामयाबियों की कहानियां और अलमारी में सजी किताबें ही उनकी पहचान रह गयी हैं. जरा सोचिये, उस लड़की ने अपनी जिंदगी को लेकर क्या क्या सपने नहीं बनीं होगी? तब ही तो वो डॉक्टर बनीं थी. सेवा का रास्ता चुना था. जिंदगी किसी की आबाद करना ही असल जिंदगी है. वो जान गयी थी. लेकिन वक्त से पहले उसकी तकदीर ने धोखा दे दिया. प्रियंका तीस बसंत भी पार नहीं कर सकी और एक सपने का अंत हो गया. हैरानी तो तब होती है, जब मौत की रात प्रियंका के परिवार वालों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में लिखवाने गये, तो पुलिसवाले आनाकानी, फ़टकार लगाकर, एक जगह से दूसरे जगह टहलाते रहे. इससे ज़्यादा शर्म

तो तब आती है, जब तेलंगाना के गृह मंत्री महबूब अली कहते हैं की प्रियंका को घर की जगह पुलिस को फोन करनी चाहिए. मंत्री जी आपकी समझ पर ही तरस आती है. ये वही पुलिस थी, जिसने उनके परिजनों को गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाने में मशशकत करवायी थी. हर घटनाएं अतित के अंधेरे में ओझल हो जाती हैं समय समय पर उसकी याद आती और सवाल भी छोड़ कर जाती है. क्या इन बेटियों के साथ ऐसे ही जुल्म की कहानी लिखी जाती रहेगी? क्या समाज में पनप रहे इन भेड़ियों को इलाज, मरम्मत नहीं किया जायेगा वो पुलिस और वो सिस्टम दुरुस्त नहीं होगा और उस पर बैठे अफसर अपनी जंग लगी मानसिकता को नहीं छुड़ाएंगे शुरू और आखिरी सवाल बस यही है की हम कब जागेंगे और

कब सुधरेंगे

आप ज़रा सोचिये, गांव क़सबे, गली मुहल्ले, घर की चाहरदीवारी के अंदर भी प्रियंका की तरह कयी बेटियों पर जुल्म होते रहे हैं, और हो रहे हैं. ज़माने की बुरी नज़रें टिकी हुई हैं उन बेचारी बेटियों को कैसे बचाएं उन ज़ालिमों भेड़ियों से आज़ाद कैसे कराये जाएं. इस पर चिंतन मनन करने की ज़रूरत है. क्योंकि बड़े शहरों में तो मीडिया, अख़बार, एनजीओ, सामाजिक संगठन सब मौजूद हैं. और अपनी आवाज़ बुलंद किये हुए हैं.. लेकिन असली लड़ाई हमारे समाज में छुपे उन भेड़ियों से है, जो मेमने की खाल पहने हुए हैं. और समय समय पर अपना काला चेहरा दिखाते रहते हैं. उनका इलाज ज़रूरी है और हर स्तर से ज़रुरी है.

छतरपुर में बिजली की आंख -मिचौली से उपभोक्ता परेशान



छतरपुर पलामू।केंद्र व राज्य में भाजपा सरकार होने के बाद भी पलामू जिले के छतरपुर विधानसभा क्षेत्र आज भी मूलभूत सुविधाओं से कोसो दूर है । छतरपुरवासियों का कहना है कि जो विकास का कार्य होना चाहिए था नहीं हुआ। छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के निरक्षर उपभोक्ता बिजली की अनियमित आपूर्ति से काफी परेशान है। विभागीय

उदासीनता के कारण उपभोक्ताओं को मात्र दो से तीन घंटे ही बिजली की सप्लाई दी जा रही है। जबकि सरकार का दावा है कि 22 घंटे बिजली दिया जाएगा। लेकिन यह दावा खोखला साबित हो रहा है। बिजली की आपूर्ति में कटौती किये जाने से लोग परेशान हैं । साथ ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई व व्यवसाय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विभागीय उदासीनता का आलम यह है कि बीते कई दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित रही है। उपभोक्ताओं के घरों में बिजली के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं। इनका कहना कि बिजली विभाग द्वारा जारी बिल की राशि जमा करने के बावजूद नियमित रूप से बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है। बिजली की आंख मिचौनी जारी रहने से उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

इधर बिजली कटी, उधर फोन बंद कर देते हैं जिम्मेदार

बिजली विभाग के अफसर अपने काम के प्रति कितने लापरवाह है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बिजली गुल होते ही वे या तो अपना आधिकारिक मोबाइल फोन स्वीचड ऑफ कर देते हैं अथवा आने वाले कॉल का कोई रिस्पांस नहीं देते हैं।

गोमिया विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के साझा उम्मीदवार सह झामुमो प्रत्याशी का कथारा में चुनावी कार्यालय का किया गया उद्घाटन

कथारा। गोमिया विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन के साझा उम्मीदवार सह झामुमो प्रत्याशी बबौता देवी का कथारा दो नंबर में सोमवार को चुनावी कार्यालय का उद्घाटन पूर्व विधायक योगेन्द्र महतो के हाथों किया गया मौके पर बालेश्वर गोप, रामकुमार यादव, मथुरा यादव, देवेन्द्र यादव, राजेंद्र यादव सुंदर लाल यादव काशी तुरी, शमशुल हक, वकील

अंसारी, पूर्व मुखिया मुस्ताक अहमद, नागेश्वर करमाली सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे

कार्यकर्ताओं के साथ चंदनकियारी से भाजपा प्रत्याशी अमर कुमार बाउरी ने किया बैठक

आरता पंचायत के कई युवा भाजपा में शामिल

बोकारो। चंदनकियारी से भाजपा प्रत्याशी ने कार्यकर्ताओं से अपील किया कि वे चुनाव में जीत को लेकर जन जन तक जाएं और सरकार के पांच वर्ष की उपलब्धियों को बताएं।

उन्होंने अपने संबोधन मे कहा कि अब विकास की राजनीति करने वाले ही सफल हो सकते है और भाजपा की सरकार ने पिछले 5 वर्ष में राज्य में विकास की नई गाथा लिखी है। अब जनता को विकास के गति को बनाये रखना है और इसके लिए भाजपा की बहुमत की सरकार ही यह कर सकती है।



चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के आरता पंचायत के लड़कों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर चंदनकियारी से भाजपा प्रत्याशी अमर कुमार बाउरी ने सभी को भाजपा का पट्टा पहनाकर स्वागत किया और कहा कि युवाओं का रझान भाजपा के प्रति बढ़ा है इसलिए युवा भाजपा का दामन थाम रहे है। अमर कुमार बाउरी ने सभी

से चुनाव में दिन रात मेहनत करने की बात कही। सदस्यता ग्रहण करने वालों में उमाशंकर सिंह, देवाशीष राय, रिक्की राय, अजय राय, विश्वजीत सिंह, प्रवीण सिंह, अनूप देव, सनातन प्रामाणिक, रोबिन सिंह, विष्णु पांडेय, राजेव्व कालिंदी, छोटूलाल महतो, शिबू महतो, पप्पू राय, शम्भू राय, लखु राय शामिल थे।

मुख्यमंत्री बाबूलाल बनेंगे: चंद्रिका



पूर्व विधायक झाविमो प्रत्याशी चंद्रिका महथा ने सोमवार को झारखण्ड धाम में बाबा भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद ग्रहण किया। तारा पंचायत में गाँधी चौक के समीप झाविमो चुनावी कार्यालय के उद्घाटन के पश्चात प्रखण्ड के झारखण्डधाम, टीकोडीह, तुलसीडीह, नईटोंड़, बलिडीह, चुंगलखार, तारा, पिंडरसोत, बदडीह ,कसीयोटोल, मुरखारी, लेबासिमर सहित दर्जनाधिक गाँव का तुफानी दौरा कर जनता से एक बार मौका देने का आह्वान करते हुए कहा कि झाविमो से ही झारखण्ड प्रदेश चतुर्दिक विकास होगा व अस्मिता, संस्कृति सुरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री के रूप में जनादेश झाविमो को मिलेगा और मुख्यमंत्री विकास पुरुष बाबूलाल जी बनेंगे क्योंकि इनमे सृष्ट विजन व मिशन है। वर्तमान विधायक व रघुवर राज के तानाशाही से जनता परेशान है। अराजक माहौल पूरे प्रदेश में है। रघुवर सरकार के शोषनपूर्ण नीति, नियत के कारण झारखंडी उपेक्षित व उद्धेलित है। जमुआ विधानसभा का चतुर्दिक विकास होगा। नवडीहा, हीरोडीह प्रखण्ड बनेगा, जन आकांक्षा पूरा करूँगा। उक्त अवसर पर सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। झाविमो प्रत्याशी का जनता ने गर्मजोशी से जगह जगह स्वागत किया। प्रखण्ड अध्यक्ष विकास मंडल, मीडिया प्रभारी पवन कुमार सिंह, मनोज सिंह, कुलदीप कुमार, राजेश पंडा, सुरेन्द्र प्रताप, मणि गिरी, लोकन रविदास, सुरेन्द्र वर्मा, राम प्रवेश चौधरी, केदार वर्मा, वीरेंद्र कुशवाहा, वीरेंद्र यादव सहित अन्य कार्यकता मौजूद थे।

आजसू पार्टी के प्रत्याशी काशीनाथ सिंह ने किया चंद्रपुरा प्रखंड के विभिन्न गांव में जनसंपर्क अभियान



आजसू पार्टी के बेरमो विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी काशीनाथ सिंह ने चंद्रपुरा प्रखंड क्षेत्र के मदनपुर, जरूआ, हडगोवा, कुरंबा, मंझलीपत्रा, दुग्दा, रटारी, बांधडीह सहित अन्य कई गावों में जनसंपर्क कर लोगों से वोट मांगा।

आजसू प्रत्याशी काशीनाथ सिंह ने कहा कि झारखण्ड प्रदेश खनिजो से भरा प्रदेश है।फिर भी यहां के युवा रोजगार को लेकर पलायन करने पर मजबूर है दूसरे प्रदेशों में काम करने पर मजबूर हैं मगर बेरमो की धरती सोना उगलती है।और यहां के लोग भुखमरी की तदार पर खड़ी है। यहां से परिवर्तन जरुरी है। झारखंड प्रदेश का मुखिया इस बार घर का बेटा सुदेश महतो होंगे जो पूरे झारखण्ड प्रदेश खुशहाल हो इस दौरान कई गांव का दौरा किया। इस मौके पर आजसू पार्टी बेरमो विधानसभा प्रत्याशी माननीय काशीनाथ सिंह

इनके साथ आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य बिगन महतो, मो. फखरुद्दीन, अरविंद पांडेय, रोशन महतो गजेंद्र सिंह सूर्य नारायण महतो सूर्यनारायण महतो, रोहित पांडेय, वकील महतो, डीडी पांडेय चंदन पाण्डेय, मो. आजाद, हरिओम चौधरी सहित दर्जनों कार्यकर्ता थे।

पहले चरण में भाजपा को झटका महागठबंधन में मिल सकता है बढ़त



मेदिनीनगर। विधानसभा के प्रथम

चरण में 13 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा को झटका लगने की संभावना है। इन 13 सीटों में से अधिकांश सीटों पर कांग्रेस जेएमएम गठबंधन को बढ़त मिलने के रझान आए हैं। भवनाथपुर विधानसभा में निर्दलीय, भाजपा और कांग्रेस के बीच काटे की टक्कर है। इसी तरह गढ़वा में जेएमएम और भाजपा में मुकाबला है। गढ़वा जिला में भाजपा को घेरने की पूरी कोशिश की गई है। पलामू जिले के छतरपुर विधानसभा में भाजपा, आजसू और राश्ट्रीय जनता दल के बीच मुकाबला है। डाल्टनगंज विधानसभा में मुकाबला त्रिकोणीय है। यहां कांग्रेस, भाजपा और झारखंड विकास मोर्चा में मुकाबला है। चुनाव के बाद मिल रहे रझान कांग्रेस की ओर संकेत कर रहा है। पांकी विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। पांकी में भाजपा को फायदा मिलते दिख रहा है। हुसैनगढ विधानसभा में मुकाबला रोचक दिख रहा है यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी राश्ट्रीय जनता दल आजसू, बसपा और निर्दलीय के बीच मुख्य मुकाबला है। चुनाव के बाद मिल रहे रझान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर संकेत दे रहा है। बिश्रामपुर विधानसभा में भी मुकाबला चतुष्कोण वाला है। यहां कांग्रेस, झारखंड विकास मोर्चा, जनता दल यूनाइटेड और भाजपा में मुख्य मुकाबला दिख रहा है। यहां से भाजपा पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है। चुनाव बाद मिल रहे रझान से तो यही पता चलता है। लातेहार में भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच काटे की टक्कर है। मॉनिका विधानसभा में भी कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं। इन दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा पीछड़ता दिख रहा है। गुमला और बिशुनपुर में भी भाजपा -जेएमएम आमने-सामने है। चुनाव बाद के रझान जेएमएम की ओर इशारा कर रहा है। लोहरदगा में भी कांग्रेस, भाजपा व आजसू के बीच मुख्य मुकाबला है। चुनाव बाद के रझान कांग्रेस के पक्ष में है चतरा में भी भाजपा व राजद के बीच मुकाबला है यहां का रझान भाजपा की ओर दिख रहा है प्रथम चरण के जिन 13 सीटों पर चुनाव हुआ है। उसमें अधिकांश सीटों पर कांग्रेस-जेएमएम आगे निकलता दिख रहा है। इन 13 में से कुछ ही सीटें ऐसी हैं जहां भाजपा मजबूत स्थिति में है।

चन्दनकियारी आजसू प्रत्याशी कई गांव का किया दौरा



आजसू पार्टी के प्रत्याशी पूर्व मंत्री उमाकांत रजक चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के

बेलूंजा,डुमरदाहा,सीधावाद,ननकू डीह,चकमोहनपुर गाँवों दौरा के दौरान लोगों को संबोधित करते

हुए पूर्व मंत्री उमाकांत रजक। गावों में जनसंपर्क कर लोगों से वोट मांगा

सुस्ती का सामना

देश के विकास की रफ्तार में लगातार आ रही कमी चिंता का विषय है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जुलाई-सितंबर, 2019 की तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि की दर 4.5 प्रतिशत दर्ज की गई है। यह लगातार छठी तिमाही है, जब जीडीपी के बढ़ने की दर में गिरावट आई है। गौरतलब है कि जीडीपी किसी खास अवधि के दौरान वस्तु और सेवाओं के उत्पादन की कुल कीमत है। भारत में कृषि, उद्योग और सर्विसेज तीन प्रमुख घटक हैं जिनमें उत्पादन बढ़ने या घटने के औसत के आधार पर जीडीपी दर तय होती है। पिछले कुछ समय से इन तीनों ही क्षेत्रों में भारी सुस्ती दिख रही है। इंडस्ट्री की ग्रोथ रेट 6.7 फीसदी से गिरकर सिर्फ आधा प्रतिशत रह गई है। मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का तो बुरा हाल है जिसमें बढ़ोत्तरी की जगह आधे प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि की दर 4.9 से गिरकर 2.1 फीसदी और सर्विसेज की दर भी 7.3 फीसदी से गिरकर 6.8 ही रह गई है। मुश्किल यह है कि आम उपभोक्ताओं ने हाथ बांध रखे हैं। लोग सामान नहीं खरीद रहे हैं, वे अपने रोजमर्रा के खर्च में कटौती कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे मांग पैदा हो नहीं रही है। कारोबारी दुविधा में हैं। कंपनियों को अपना प्रॉडक्शन कम करना पड़ रहा है। उनमें से कई अपने कर्मचारियों की छंटीनी करने को मजबूर हो रही हैं। संभव है, बाजार में डिमांड बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक अगले हफ्ते फिर ब्याज दरें घटाए। मगर इन सबके साथ-साथ सरकार को जाँब मार्केट पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर लोगों को बड़े पैमाने पर नौकरी मिलनी शुरू हुई तो इससे आम उपभोक्ताओं में विश्वास और उत्साह पैदा होगा। सरकार वक्त की नजाकत समझे। अर्थव्यवस्था में नई जान फूँकने के लिए वह दलीय भेदभाव भुलाकर सबको साथ ले और कुछ ठोस व कारगर फैसले करे। विश्व के लिए भी यह जिम्मेदारी दिखाने का मौका है। सरकार की आलोचना उसका अधिकार है, लेकिन सही मौके पर थोड़ी सकारात्मकता राष्ट्र का संबल बन जाती है।

मनुस्मृति और संविधान

वर्ष 1949 में 26 नवंबर को देश का संविधान पारित किया गया था, इसलिए इस दिन को संविधान दिवस कहा जाता है। पूरे देश में यह दिन इतने जोर-शोर से पहले कभी नहीं मनाया गया होगा, जितना इस साल मनाया गया। शायद लोगों को एहसास होने लगा है कि संविधान आज खतरे में है। पहली बार देश में इस तरह की राजनीतिक दिशा के लोग केंद्र सरकार और कई राज्यों में सत्तासीन हैं, जो परंपरागत तौर पर संविधान के आलोचक हैं। संविधान का खुलकर विरोध करना तो असंभव है, क्योंकि उसका पालन करने की शपथ सार्वजनिक पद पर आसीन हर व्यक्ति को लेनी ही पड़ती है। पर देश की तमाम राजनीतिक धाराओं में केवल एक ही है, जिसने शुरू से संविधान को मानने से इनकार किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक एम एस गोलवलकर, ने तीन नवंबर, 1949 को ऑर्गेनाइजर में अपने लेख में शोक व्यक्त किया था कि हमारे संविधान में प्राचीन भारत की अनोखी सांविधानिक प्रक्रियाओं का कोई जिक्र ही नहीं है। अपनी पुस्तक बंच ऑफ थॉट्स में गोलवलकर ने लिखा ‘प्राचीन काल में भी जातियां थीं और हमारे गौरवशाली राष्ट्रीय जीवन का वे लगातार हिस्सा बनी रहीं।...हर व्यक्ति की, समाज की उचित सेवा करने के लिए उसकी उस कार्यप्रणाली में, जिसके लिए वह सबसे अधिक उपयुक्त है, वर्ण-व्यवस्था मदद करती है। यही वह तथ्य है, जिसे मनु ने, जो दुनिया का पहला और सबसे महान न्याय बनाने वाला था, अपने न्यायशास्त्र में दर्ज किया। आज भाजपा केंद्र और कई राज्यों में सरकार चला रही है। इसने कभी खुद को गोलवलकर के विचारों से अलग नहीं किया। इनमें से कई हैं, जिन्होंने मनुस्मृति की प्रशंसा भी की है और राजस्थान उच्च न्यायालय में उन्हीं की सरकार ने मनु की मूर्ति भी स्थापित की थी। मनुस्मृति में महिलाओं से संबंधित कुछ निर्देश इस तरह हैं। पुत्री, पत्नी, माता या कन्या, युवा, वृद्धा-किसी भी स्वरूप में नारी स्वतंत्र नहीं होनी चाहिए-मनुस्मृति, अध्याय-9 श्लोक-दो से छह। पति पत्नी को छोड़ सकता है, गिरवी रख सकता है, बेच सकता है, पर स्त्री को इस प्रकार के अधिकार नहीं हैं-मनुस्मृति, अध्याय-9, श्लोक-45। स्त्री को संपति रखने का अधिकार नहीं है, स्त्री की संपति का मलिक उसका पति, पुत्र, या पिता है-मनुस्मृति, अध्याय-9, श्लोक-416। असत्य जिस तरह अपवित्र है, उसी भाति स्त्रियां भी अपवित्र हैं, पढ़ने-पढ़ाने, वेद-मंत्र बोलने या उपनयन का स्त्रियों को अधिकार नहीं है-मनुस्मृति, अध्याय-2, श्लोक-66 और अध्याय-9, श्लोक-18। पति सदाचारहीन हो, अन्य स्त्रियों में आसक्त हो, दुर्गुणों से भरा हो, नपुंसक हो, फिर भी स्त्री को उसे देव की तरह पूजना चाहिए-मनुस्मृति, अध्याय-5 श्लोक-154। मनुस्मृति के अनुसार, एक ही अपराध के लिए अपराधी की जाति और जिसके साथ अपराध हुआ है, उसकी जाति देखकर सजा दी जानी चाहिए। मनुस्मृति की आत्मा और संविधान की आत्मा एक दूसरे के विपरीत है। संविधान के पारित होने के बावजूद हमारी बहुत-सी मान्यताएं मनुस्मृति के अनुरूप ही हैं। इसीलिए कार्यपालिका और न्यायपालिका के माध्यम से यह कोशिश की जाती है कि जब भी अन्यायपूर्ण परंपरा और संविधान के बीच टकराव होता है, तो संविधान के पक्ष में निर्णय लिया जाए। यह प्रक्रिया अब मंद पड़ गई है। इसने खतरे का एहसास दिला दिया है और संविधान की रक्षा करने की बात व्यापक पैमाने पर होने लगी है।

बीजेपी के लिए सबक, खतरे की घंटी नहीं

“ एक बड़ा तबका औपचारिक रूप से भूमिकाविहीन है। इससे पार्टी नेतृत्व के अंदर उतना आत्मविश्वास कायम नहीं रहता जितना होना चाहिए। बीजेपी के समर्थक व कार्यकता मोदी- शाह से विचारधारा और चुनावी वादों पर दृढ़ रहते हुए काम करने और इसमें बाधा पैदा करने वाले साथी दलों से अलग होकर आगे बढ़ने की अपेक्षा रखते हैं। इसे बीजेपी नहीं समझेगी और विरोधी या साथी दलों के दबाव में या उनको साथ बनाए रखने के लिए समझौता करती रहेगी, तो उसे अपने लोगों का भरपूर समर्थन नहीं मिलेगा। अन्य पार्टियों से थोक भाव में नेताओं को शामिल करके उम्मीदवार बनाया जाएगा तो अपने ही लोगों के विरोध का सामना करना होगा।

अवधेश कुमार
महाराष्ट्र में बीजेपी के हाथ से सत्ता फिसलने को कुछ विश्लेषक राष्ट्रीय राजनीति में उसके पराभव की शुरुआत मान रहे हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर दो नक्शे दिखाए जा रहे हैं। एक में 2014 से 2017 की स्थिति दर्शाई गई है, जिसमें संकेत किया गया है कि देश के ज्यादातर हिस्से भगवा रंग में रंगे हैं यानी वहां बीजेपी या उसके सहयोगियों की सरकार है, जबकि दूसरा नक्शा 2019 का परिदृश्य बयान कर रहा है जिसमें ज्यादातर हिस्सों से भगवा रंग गायब है यानी अब वहां बीजेपी या उसके सहयोगियों की सरकारें नहीं रह गई हैं। इसके पीछे एकपक्षीय दृष्टि काम कर रही है। यदि लोकसभा चुनाव परिणाम का नक्शा बनाया जाए तो चारों ओर भगवा ही भगवा दिखाई देगा।

वंशवाद की गिरफ्त
लोकसभा चुनाव नतीजों को परे रखकर वर्तमान सियासी हालात का आकलन हमें सरलीकरण की ओर ले जाएगा। गुजरात में शुरू करें, जहां विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बीजेपी को नाकों चने चबवा दिए, लेकिन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस साफ हो गई। दिसंबर में बीजेपी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सत्ता से बाहर हुई, मगर पांच महीने बाद

लोकसभा चुनाव में उसने कांग्रेस को ध्वस्त कर दिया। बीजेपी ने लोकसभा में अकेले 37 प्रतिशत मत प्राप्त किया है। महाराष्ट्र में भी बीजेपी और शिवसेना को स्पष्ट बहुमत मिला था। शिवसेना के नेता अब जो भी कहें, उनके तमाम उम्मीदवारों ने चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पोस्टर लगाए, धारा 370, तीन तलाक़ विरोधी कानून, सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई बमबारी को मुद्दा बनाया। शिवसेना सीएम पद के लिए दूसरे गठबंधन में चली गई तो इसमें बीजेपी के लिए क्यामत तलाशने वाले जरा ठहरकर विचार करें, निष्कर्ष उतना उत्साहजनक नहीं आएगा। हां, बीजेपी के लिए यह विचार का विषय है कि लोकसभा चुनाव के बाद हुए दो राज्यों के चुनाव में उसे अपेक्षा के अनुरूप सीटें क्यों नहीं मिलीं? कभी क्षेत्रीय दल स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बनकर उभरे थे, लेकिन धीरे-धीरे वे वंशवादी सीमाओं और ज्यादातर एक जाति के वर्चस्व वाली पार्टी बनते गए। राष्ट्रीय पार्टियों के कमजोर होने के कारण स्थिति ऐसी हो गई कि बिना इनके सरकार का गठन और नीतियों निर्माण भी संभव नहीं रहा। इससे राजनीति में अस्थिरता, कमजोर सरकारों के सिलसिले और नीतिगत जड़ता की

समस्याएं पैदा हुईं। ऐसी स्थिति से लोगों के अंदर बढ़ते असंतोष के बीच नरेंद्र मोदी उम्मीद की किरण बनकर उभरे। 2014 की वह प्रवृत्ति 2019 में सशक्त हुई है। अभी तक राजनीति में इसका कोई प्रमाण नहीं है कि कोई क्षेत्रीय या राष्ट्रीय पार्टी जनता की सोच के अनुरूप अपने सांगठनिक या वैचारिक ढांचे में ऐसा परिवर्तन कर रही है जिससे निकट भविष्य में बीजेपी को चुनौती मिले। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के समय अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण कानून में सुप्रीम कोर्ट के संशोधन को संसद द्वारा निष्प्रभावी करने के खिलाफ एक वर्ग में गुस्सा था और एक तबके ने बीजेपी के खिलाफ मतदान किया या नोटा का बटन दबा दिया। छत्तीसगढ़ को छोड़ दें तो वोट के आधार पर बीजेपी को बड़ी पराजय नहीं मिली। एमपी में तो बीजेपी को कांग्रेस से 0.5 प्रतिशत मत ज्यादा मिले थे। फिर भी मानना होगा कि पिछले साल के विधानसभा चुनावों से महाराष्ट्र की वर्तमान स्थिति तक बीजेपी को एक झटका लगा है। उसे इन चुनावों को एक सबक की तरह लेना होगा। बीजेपी के समर्थक एवं कार्यकर्ता अपने नेताओं और

पार्टी को लेकर भावुक होते हैं। नेताओं, मंत्रियों और सरकारों से उनकी भावनाओं को चोट पहुंचेगी तो नुकसान पार्टी को झेलना पड़ेगा। मोदी की लोकप्रियता के कारण राष्ट्रीय चुनाव में भले ज्यादा असर नहीं हो, लेकिन विधानसभा व स्थानीय निकाय चुनावों में होगा। यह सामान्य बात नहीं है कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने का वर्षों से देखा गया सपना पूरा होने तथा जम्मू-कश्मीर में अपेक्षित सख्त कदमों के बावजूद बीजेपी महाराष्ट्र में विपक्ष में बैठी है तो हरियाणा में उसे गठबंधन सरकार बनाने के लिए विवश होना पड़ा। पार्टी यह विश्लेषण करने को तैयार नहीं है कि आखिर हरियाणा और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में इतने विद्रोही मैदान में क्यों उतर गए? लंबे समय से पार्टी के अंदर या बाहर से अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वालों को पर्याप्त महत्व और उपयुक्त भूमिका देने के लिए कोई तंत्र नहीं बना है।

एक बड़ा तबका औपचारिक रूप से भूमिकाविहीन है। इससे पार्टी नेतृत्व के अंदर उतना आत्मविश्वास कायम नहीं रहता जितना होना चाहिए। बीजेपी के समर्थक व कार्यकता मोदी- शाह से विचारधारा और चुनावी वादों पर दृढ़ रहते हुए काम करने और इसमें बाधा पैदा करने वाले साथी दलों से अलग होकर आगे

बढ़ने की अपेक्षा रखते हैं। इसे बीजेपी नहीं समझेगी और विरोधी या साथी दलों के दबाव में या उनको साथ बनाए रखने के लिए समझौता करती रहेगी, तो उसे अपने लोगों का भरपूर समर्थन नहीं मिलेगा। अन्य पार्टियों से थोक भाव में नेताओं को शामिल करके उम्मीदवार बनाया जाएगा तो अपने ही लोगों के विरोध का सामना करना होगा।

दोस्त या विरोधी
शिवसेना दोनों सरकारों में रहते हुए बीजेपी और मोदी के विरुद्ध विपक्ष के समान ही बयान देती रही। व्यावहारिक राजनीति का तकाजा यही था कि उससे अलग होकर चुनाव लड़ा जाता। 2014 विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने साहस किया तो उसका सकारात्मक परिणाम आया था। रामविलास और नीतीश जैसे सहयोगियों का रवैया भी समय-समय पर ऐसा ही रहा, पर पार्टी उनका साथ छोड़ नहीं रही। अकाली दल से अलग होने के लिए पार्टी छटपटा रही है, पर कोई फैसला नहीं हो रहा। बीजेपी पूर्वोत्तर जैसे कुछ अपवादों को छोड़कर जब तक बिना गठबंधन के चुनाव लड़ने का साहस नहीं दिखाएगी तब तक उसे ऐसे आघात लगते रहेंगे। पहले चुनाव लड़िए और बहुमत न मिले तो सरकार के लिए गठबंधन करिए।

श्रीलंका से दोस्ती और चीन पर नजर

“ कहने की आवश्यकता नहीं कि नेपाल में पहले से ही मौजूद भारत विरोधी भावनाओं को अच्छी खासी हवा मिल रही है और ये भावनाएं दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही हैं। वैसे भी नेपाल भारत के ‘बड़े भाई’ वाले रवैये के शुरु से ही रिवलाफ रह है। श्रीलंका पर भी यही बात लागू होती है, जहां 2014 में ही चीन ने पैर फैलाने शुरु कर दिए थे। आज वह इस द्वीप पर अच्छे-खासे पैर पसार चुका है। इन्हीं गोटबाया राजपक्षे के भाई महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल में हम्बन्टोटा बंदरगाह और विमानतल बनाने का ठेका चीन को दिया गया था। जानकार सूत्रों का तो यहां तक कहना है कि श्रीलंका पर चीन का कर्ज इतना ज्यादा बढ़ गया था कि हम्बन्टोटा बंदरगाह राजपक्षे ने यों ही चीन के हवाले कर दिया।

रवींद्र दुबे

श्रीलंका में गोटबाया राजपक्षे के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के क्या मायने हैं? या नेपाल ने कालापानी की हदों पर ऐतराज क्यों दर्ज कराया है? ऐसे ही कुछ सवाल इन दिनों भारत के कूटनीतिक गलियारों में बड़ी तेजी से उभरे हैं। और इनका उभरना भी बेवजह नहीं है। भूटान को छोड़कर भारत के करीब-करीब सारे पड़ोसी देशों में चीन की मौजूदगरी ने दक्षिण एशिया की भू-राजनीति का संतुलन खासा गड़बड़ा दिया है। अपनी व्यापारिक पहुंच में इजाफा करने की चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट और सड़क योजना ने एक विश्वव्यापी विवाद खड़ा कर दिया है। श्रीलंका में हम्बन्टोट्टा बंदरगाह पर कब्जा, मालदीव में कर्ज का फंदा और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर भारत और पाकिस्तान के उथल-पुथल से लबालब बलूचिस्तान इलाके की प्रतिक्रिया उन चंद हालिया गतिविधियों में शामिल हैं, जिनसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय चिंतित है।

नेपाल चीन की उक्त बेल्ट एवं सड़क पहल (बीआरआई) को एक संभाव्य जीवन रेखा के रूप में देखता है। पहाड़ों से गुजरते हुए रेलमार्ग का काम 2013 में शुरू हुआ, जो नेपाल की दृष्टि में आर्थिक वरदान साबित होगा और भारत की

आर्थिक प्रभुसत्ता से उबरने का रास्ता भी। 2015 में भारत ने मधेसी अल्पसंख्यकों के अधिकारों के मुद्दे पर काठमांडू के अधिकारियों पर दबाव डालने हेतु पांच महीनों के लिए नेपाल की आर्थिक नाकाबंदी कर उसकी अर्थव्यवस्था पर शिकंजा कस दिया था। विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल का सकल घरेलू उत्पाद तीन प्रतिशत गिर गया, गरीबी आठ प्रतिशत बढ़ गई और मुद्रास्फीति 12 प्रतिशत पर जा पहुंची और खाद्यान्न और औषधियों की कमी से अनेक लोगों की जानें चली गईं। इससे नेपाल के भू-राजनीतिक तारणहार के रूप में चीन को राजनीतिक रूप से पेश किया गया। इसे नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की जीत के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि चीनी मदद का समर्थन उनके चुनाव अभियान का एक हिस्सा था।

कहने की आवश्यकता नहीं कि नेपाल में पहले से ही मौजूद भारत विरोधी भावनाओं को अच्छी खासी हवा मिल रही है और ये भावनाएं दिन दूनी और रात चौगुनी गति से बढ़ रही हैं। वैसे भी नेपाल भारत के ‘बड़े भाई’ वाले रवैये के शुरु से ही खिलाफ रहा है। श्रीलंका पर भी यही बात लागू होती है, जहां 2014 में ही चीन ने पैर फैलाने शुरु कर दिए थे। आज

वह इस द्वीप पर अच्छे-खासे पैर पसार चुका है। इन्हीं गोटबाया राजपक्षे के भाई महिंदा राजपक्षे के कार्यकाल में हम्बन्टोटा बंदरगाह और विमानतल बनाने का ठेका चीन को दिया गया था। जानकार सूत्रों का तो यहां तक कहना है कि श्रीलंका पर चीन का कर्ज इतना ज्यादा बढ़ गया था कि हम्बन्टोटा बंदरगाह राजपक्षे ने यों ही चीन के हवाले कर दिया।

और तो और, इन्हीं महिंदा राजपक्षे ने नई दिल्ली को सूचित किए बगैर चीनी पनडुब्बियों को श्रीलंकाई जलसीमा में उहरने की अनुमति दे दी थी। भारत ने उसी समय यह मामला उच्चतम स्तर पर उठया था, किंतु राजपक्षे टस से मस नहीं हुए थे। दरअसल श्रीलंका की अर्थव्यवस्था और रणनीतिक सुरक्षा में चीन फिलहाल बड़ा खिलाड़ी है। श्रीलंका पर चीन का कर्ज इतना ज्यादा है कि उसे चुकाने में काफी वक्त लगेगा। अतः रणनीतिक और सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से भारत को श्रीलंका से अपने संबंधों को पुनः परिभाषित करना पड़ेगा। लगता है, भारत इसमें प्रयासरत है भी। जिस दिन श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे घोषित हुए, उसी दिन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर नवननिर्वाचित राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे को बधाई देने और उन्हें

भारत आगमन हेतु आमंत्रित करने कोलंबो रवाना हो गए। श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आमंत्रण पर 29 नवंबर को भारत आ रहे हैं। उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा होना स्वाभाविक भी है।

बहरहाल, चीन का मुख्य उद्देश्य हिंद महासागर में भारत को घेरना नजर आता है। दरअसल श्रीलंका ‘मोतियों की लड़ी’ (स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स) का एक हिस्सा है। यह लड़ी हिंद महासागर क्षेत्र में चीनी इरादों का एक बहुत पुराना भू-राजनीतिक सिद्धांत है, जो चीनी मुख्य भूभाग और पोर्ट सूडान के बीच पड़ने वाले देशों में चीन द्वारा विकसित की गई सैन्य और व्यापारिक सुविधाओं के नेटवर्क की स्थापना की ओर इंगित करती है। चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स का जवाब भारत की लुक ईस्ट पालिसी को समझा जाता है।

लुक ईस्ट पालिसी शीत युद्ध के बाद के दौर में भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी थी। 1991 में इसे नरसिंहराव की सरकार ने लागू किया था। इसका उद्देश्य दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों से राजनीतिक संपर्क विकसित करना, आर्थिक एकात्मकता बढ़ाना और सुरक्षा सहयोग स्थापित करना था।

गौरतलब है कि इस नीति से भारत

के राष्ट्रीय हितों के प्रति दक्षिणपूर्व एशिया के रणनीतिक और आर्थिक महत्व से दुनिया के बारे में भारत की समझ में बहुत परिवर्तन आया। इस नीति का दूसरा चरण 2003 में शुरू हुआ, जिसमें इस नीति का विस्तार ऑस्ट्रेलिया से पूर्वी एशिया तक हुआ जिसके सिरे पर आसियान (असोसिएशन ऑफ साउथईस्ट एशियन नेशंस) देश थे। इस नए चरण में फोकस व्यापार से बढ़कर वृहत्तर आर्थिक व सुरक्षा सहयोग, राजनीतिक भागीदारी और सड़क व रेलमार्ग के माध्यम से भौतिक संयोजकताओं तक जा पहुंचा है।

विश्व परिदृश्य के अध्येताओं का मानना है कि चीन का सबसे ज्यादा फोकस व्यापारिक है और किसी भी निवेशकर्ता का पहला उद्देश्य होता है अपने निवेश की रक्षा करना। फिर चीन के दौर में भारत को विदेश नीति की एक काफ़ी लालायित है। फिर भी कहना मुश्किल है कि चीन कब व्यापारिक सुविधाओं का उपयोग रणनीतिक या सैन्य उद्देश्यों के लिए करने लगे। हम्बन्टोट्टा बंदरगाह पर चीनी कब्जे से भारत की चिंता का कारण यही है, हालांकि वैश्वक परिदृश्य के महेनजर ऐसा होना सरल नहीं है।

नवप्रदेश के घर डाकिया

आज साफ हवा में सांस लेने को हम तरस गए हैं

पर्यावरण और पृथ्वी को बचाने के लिए आए दिन बहुत से सेमिनार आयोजित होते हैं। लेकिन यह कुछ लोगों तक ही सीमित रहते हैं। अगर हमें अपने पर्यावरण को बचाना है तो इसके लिए जनआंदोलन शुरू करना होगा। इसमें हर शख्स को भागीदार बनाना होगा। साथ ही कड़े कानून बनाने होंगे। आजकल लोग शಾದियों में उपहार के तौर पर पौधे भी देते हैं। यह एक अच्छी पहल है। जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है, तभी हमारी नींद खुलती है। अपनी धरती को बचाने के लिए क्या हम लोगों की कोई जिम्मेदारी नहीं? क्या हम सब यह संकल्प नहीं ले सकते कि अपने आसपास के एक पेड़ की आजीवन देखभाल करेंगे। आज साफ हवा में सांस लेने को हम तरस गए हैं। क्योंकि विकास की अंधी दौड़ में खेती की जमीन और जंगल को हम इस कदर खत्म कर चुके हैं कि कंक्रीट के जंगल में सबका दम घुट रहा है। हम अपने हर काम के लिए वक्त निकालते हैं, तो अपने पर्यावरण को बचाने के लिए हम चंद मिनट क्यों नहीं दे सकते?

सोनु कुमार, आदर्श नगर, कोकर, रांची

चिंतन-मनन

खर्च बढ़ाना ही है मंदी का समाधान

अनंत मिश्रल
आवासीय परियोजनाओं को 25,000 करोड़, बैंकों को 70,000 करोड़ का पैकेज तथा कॉरपोरेट टैक्स में कटौती जैसे ठोस सरकारी उपायों के बावजूद मंदी बेकाबू है। इसकी पुष्टि दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में विकास दर के पांच फीसदी से भी नीचे गिरने के भारतीय स्टेट बैंक के अनुमान, मूडीज द्वारा वृद्धि दर का अनुमान घटकर 5.8 फीसदी करने, सितंबर महीने में आईआईपी (औद्योगिक उत्पादन सूचकांक) के 4.3 फीसदी घटने तथा ग्रामीणों के खर्च में गिरावट आदि से हो रही है।

मूडीज ने हाल में भारत का क्रेडिट आउटलुक नकारात्मक किया है, तो नोमुरा ने विकास दर के 4.9 प्रतिशत रहने का

अनुमान लगाया है। जबकि सीएमआईई ने विकास अंकुर में बेरोजगारी दर 8.5 फीसदी आंकी। राजस्व वसूली में गिरावट के बावजूद विभिन्न क्षेत्रों को केंद्र सरकार की करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की रियायत भी अर्थव्यवस्था को गति देने में नाकाम है। राजकोषीय घाटा बढ़कर 3.7 फीसदी होने की मूडीज की आशंका को औद्योगिक उत्पादन में पिछले दो महीने की लगातार गिरावट पुष्ट कर रही है।

पहली तिमाही में विकास दर पांच फीसदी रही है, जो छह साल में सबसे कम है। बाजार में नकदी, विश्वास तथा मांग, तीनों का घोर संकट है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार द्वारा यह हकीकत सरकार को बताने के बाद से ही वित्त मंत्री

रियायतें लुटा रही हैं, जबकि जरूरत सरकारी खर्च बढ़ाने की है, जिससे कि गांववालों के हाथ में पैसा पहुंचे। हालांकि मंदी का ठीकरा घूम-फिरकर नोटबंदी तथा अव्यवस्थित जीएसटी की असंगठित क्षेत्र पर जबर्दस्त चोट पर ही फूट रहा है, जिनसे लाखों नौकरियां छूटें, असंगठित कारोबार टप हुआ और निवेशकों ने हाथ खींच लिए।

सो नया पूंजी निवेश ठप है और वैश्विक व्यापार युद्ध ने निर्यात पर आरी चला दी है। लोगों की जेब खाली है, इसलिए मांग ठिठकी हुई है। इसका असर सितंबर में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 4.3 फीसदी की गिरावट के रूप में सामने है। जबकि सितंबर, 2018 में आईआईपी 4.6 फीसदी बढ़ा था।

किन्तु वह आगेले 19 साल तक मुख्यमंत्री पद पर बैठे लोगों ने नहीं किया उनके बाद लोगों ने सिर्फ झारखंड को लूटने का काम किया है खनिज संपदा और संभावनाओं से भरपूर होने पर भी झारखंड आज पिछड़े राज्यों की सूची में है तथा उनका और बाबूलाल मरांडी जी का लक्ष्य है कि झारखंड को अग्रिम राज्य की सूची में लाना है। इसके बाद बाबूलाल मरांडी ने भाजपा कांग्रेस राजद छोड़कर आए कई लोगों को जेजीएम की सदस्यता दिलाई। सभा में मुन्ना मलिक, सुशील पांडे, द्वारिका नाथ तिवारी, विजयलाल जी, पंकज जी, अशोक महतो, परमेश्वर यादव, द्रुत यादव, चौधरी यादव, विकास यादव, विशाललाल यादव, विमल बिरवा, रमेश हेंड्रो, जीवनारायण राम इत्यादि मौजूद थे।

जानकारी

सर्दियों के दौरान छोटे बच्चों के बालों का रखें ख्याल

ताकि न हो जुए, डैंड्रफ और ड्राईनेस की समस्या

आमतौर पर सर्दियों के मौसम में बच्चों को बालों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। बालों में जुए, स्कैल (डैंड्रफ) और खुश्बन के कारण खाल खरब हो जाते हैं। इन समस्याओं का मुख्य कारण ये है कि ज्यादातर लोग उठ के मौसम में अपने बच्चों को रोखना नहीं चाहते हैं, जबकि खोलने-फुटने के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा बैक्टीरिया और रंढ़री के संपर्क में आते हैं। कई बार बालों की ये छोटी-छोटी समस्याएं तबका रोग का कारण बनती हैं और स्कैलप खरब हो जाता है। बचपन में ही अगर बालों की समस्या हो जाए, तो आगे चलकर बच्चों को बाल झड़ने की समस्या, बालों के कमजोर होने की समस्या आदि कारी बड़ जाती है। इसलिए अपने बच्चे को ऊपर बताई गई समस्याओं से बचाने के लिए और उनके बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको सर्दियों के दौरान कुछ खास चींी देना केयर टिपा का ध्यान रखना चाहिए।

हफ्ते में 2-3 बार करें शीू

अगर आपको बच्चे 6-7 सालों में बड़ा है, तो आप सर्दियों के मौसम में उसे मुकुने घनी से रोखना करना चाहती हैं। इसके अलावा 2 साल से बड़ी उठ के बच्चे, जो अक्सर घर अपने पैरों से खरब खोलने-फुटने करते हैं, वी अपने बालों और शरीर को बहुत ज्यादा घटा करते हैं। ऐसे में बालों में जल धुन-मिट्टी और दुधका बालों को खार निकालने के लिए आपको बच्चे को खरबत समय साह में कम से कम 2-3 बार उन्हें शीू करना चाहिए। शीू करने से बालों की गंदगी अखी तरह साफ हो जाती है।

अच्छी तरह देखकर करें शीू का चुनाव

बालों के लिए शीू का चुनाव करने समय आपको विशेष सावधानी बरानी चाहिए। दरअसल छोटे बच्चे की त्विना बहुत सेंसिटिव होती है, इसलिए अगर आप बालों लोईं वाले शीू बालों के लिए का लग देंगे, तो उन्हें मौकुर केमिकल बालों की तरह को नुकसान पहुंच सकते हैं। इसलिए बालों के लिए शीू का चुनाव करते समय हमेशा इस बात का ध्यान दें कि उसे बच्चे में पैरालीन, सफेदार और पैरेटन का इस्तेमाल न किया जाए हो, क्योंकि ये सब बालों की त्विना के लिए बंदर खरबनाक हो सकते हैं। इसकी जानकारी के लिए आपको शीू का किसी भी अन्य इंग्रेडेंट के पीछे लिखे इंग्रिडियंट्स वाले लेबल को देखना चाहिए। बालों के लिए बाला में अगर न केही शीू आते हैं, जिनमें इतिहासक केमिकल का इस्तेमाल कम होता है, जिससे कि बालों की त्विना हई न हो।

बालों को मॉइश्चराइज करना है वेहद जरूरी

कई लोगों को हो लग बालों के बालों को ये मॉइश्चराइज करना वेहद जरूरी है। वृकि दिन नही मॉइश्चराइजेशन के लेवल हई हो जाता है और इस वजह से कई तरह के त्विना से संबंधित रोगों का खरब बढ़ जाता है। खरबतर बालों के बालों को मॉइश्चराइज करने के लिए उनके बालों में तेल की मलिन करना सबसे अच्छा होता है। तेल की मलिन करने से बालों के बल को घने होते हैं और खोखी में बल मुकुलेना भी वेहद होता है। इसके अलावा तेल में मौकुर लेक तल बालों को स्वस्थ और मुकुलन रहते हैं। बालों के लिए की मलिन आज खरिखर के तेल, नारंग के तेल, बदाम के तेल, तिल के तेल और अलिव ऑयल आदि से कर सकते हैं।

कैसे पहचानें किस कारण से हो रहे हैं मुहांसे?

मुंहमें की समस्या से ज्यादातर मुक पोखन रहते हैं। छुटकारा पाने के लिए कई तरह के इलाज भी करते हैं, पर मनचाहा फायदा नहीं होता। मुहमें होने की कई बरों से जानकी हैं, उन्हें जानकर ही उनका करकार। जानकारी दे रहा है अलेखा। हमारी त्विना तीन परतों से बनी है। सबसे ऊपरी परत कुछ-कुछ समय बाद बदलती रहती है। ऐसा मुत त्विना के जड़ जाने से होता है। यह प्रक्रिया चालती रहती है। उसके नीचे बनी परतों में नारंग, लाल रक्तिकाएं, तेल एवं पानी की ग्रियाएं तथा देयर प्रोडिक्शन (टैनकुरा) होते हैं। सबसे नीचे वाली परत कम बैक्टीरियाओं से बनी होती है। सही ध्यान नहीं रखने पर तेल ग्रियाएं और मुत त्विना रोमकुपों में रुकजट पैदा करती हैं, जिससे नई परत बाला नहीं निकल पाती। यहां त्विना फुलकर र्णों का रूप ले लेती है, जिसे मुहमें कहते हैं। मुहमें दो प्रकार के होते हैं। एक, छोटे-छोटे सफेद घने होते हैं, जिनमें मवाद भर जाता है। दूसरे, सलत रंग के घने होते हैं, जो ज्यादातर मुखी त्विना बालों को होते हैं। मुहमें कई बरानों से हो सकते हैं। हमेंन में अमृतुलन होने पर मुहमें निकलते हैं। इसके लिए खान-पन और जीवनशैली में सुधार जरूरी होता है। महिलाओं में चालते की तुलना में प्योरीओडी और चायरोइड के मामले बड़े हैं।

सावधानी चका का सही नहीं होता भी मुहमें का एक कारण होता है। रणधिसमा के बाद भी कुछ महिलाओं में मुहमें निकलते हैं। चेहरे पर बहुत अधिक धूप चढ़ना भी मुहमें के खरबों को बढ़ावा दे। एक कारण शरीर में इम्युनिन ज्यादा बनना भी होता है, जिसके बाद में कम खरब हो जाते हैं। इसका मतलब यह है कि हमारे खानपन का हमने मुहमें से सही संबंध है, जिन्हें मुहमें अधिक निकलते हैं, उन्हें हई चार्जसैफिक खाना नहीं खाते

5 संकेत मिलें तो तुरंत कराएं

आंखों की जांच देर करना हो सकता है खतरनाक

आंखें हमारी जिंदगी के लिए जरूरी शर्त नहीं हैं, मगर शायद जिंदगी को अच्छी तरह समझने के लिए आंखों का अपना बड़ा महत्व है। बनावट के आधार पर आंखों को शरीर का सबसे संवेदनशील अंग माना जाता है। इसलिए आंखों की छोटी से छोटी परेशानी को नजरअंदाज करना कई बार बहुत खतरनाक भी हो सकता है। दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या लाखों में है, जो जन्म से अंधे नहीं थे, मगर 40-50 की उम्र आते-आते उनकी आंखों के देखने की क्षमता चली गई। दरअसल शरीर से जुड़ी किसी भी समस्या को अगर शुरूआती अवस्था में पहचान लिया जाए और सही इलाज किया जाए, तो ठीक किया जा सकता है। मगर ऐसी बहुत सी बीमारियां और समस्याएं हैं, जो वक्त गुजरने के बाद पता चलती हैं और तब तक मेडिकल साइंस भी आपकी मदद नहीं कर पाता है।

आंखें भी ऐम हो एक अंग हैं, जो कई एक बार चारपा हो जात, तो इन्हें टेक्ना ठीक करना बहुत मुश्किल है। फिर एक ही विकल्प बचता है और वो है आई ट्राम्पलेंट, जिसके लिए दोनर मिलना और खर्चे उठाना असान बात नहीं है। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे संकेत जो बताते हैं कि आपको तुरंत अपने आंखों की जांच करा लेनी चाहिए।

धुंधला दिखने पर

कैसे तो आंखों का पुंथलान बिपुल सफ संकेत है कि आपको अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। मगर कुछ लोग पुंथलेन को शरीर की कमजोरी से जोड़कर देखते हैं, इसलिए वे इलाज करते रहते हैं और दूसरे उपाय अपनाते रहते हैं। यह बात भी सही है कि शरीरिक कमजोरी और एनर्जी की कमी, आंखों के पुंथलेन का कारण बन सकती है। मगर ये समस्या किसी बीमारी का भी संकेत हो सकती है, जो बचाव के साथ आपको आंखों की टेिना को डैमेज कर सकती है। इसलिए अगर आपको कई दिन या साह तक लगातार या

आंखें पर दबाव महसूस हो
अगर आपको कुछ दिनों से ऐसा महसूस होने लग है जैसे कि कोई अदृश हाथ आपकी आंखों को दबा रहे हैं, तो ये आंखों की ही एक कॉमन बीमारी 'ग्लूकोम' का संकेत हो सकता है। ग्लूकोम की शुरुआत होने पर व्यक्ति को अपने आंखों की पुंथियां पर दबाव महसूस होता है। मगर ऐसा होने पर आपको चालने की जरूरत नहीं है, वरकि ग्लूकोम का इलाज आसनी से उपलब्ध है। हा, अगर आप इसे तब समय तक नजरअंदाज करेंगे, तो ग्लूकोम आपकी आंखों को काफी नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए ऐसे त्विना महसूस होने पर जिन रंरी किए आई-स्पेशलिस्ट से मिलें और आंखों की जांच कराएं।

रात में साफ न दिखाई देना या रतौंधी
अक्सर घर बस अधिक अंधेरा होने पर सामान आंखों के लिए भी देखना मुश्किल होता है, मगर कई आंखों रात के समय घनी हल्की रोानी होने के बावजूद चीजें साफ-साफ न दिखाई दें, तो ये ये आंखों से जुड़े रोग का संकेत है। इस रोग को रतौंधी भी कहते हैं, जो 'रात के अंधेरा' का शब्द बर्न है रात। आंखों में ऐसी समस्या कई कारणों से हो सकती है, जैसे-शरीर में विटामिन ए की कमी और बैक्टीरिया आदि। इसलिए आपको ऐसे त्विना दिखने पर ये तुरंत आंखों के डॉक्टर से मिलना चाहिए।

रोशनी में चकाचौंध लगना या सिर दर्द होना
अक्सर आंखों पर तेज रोशनी घटने पर आंखों का रंग होना लम्भीक है। मगर सामान दिखी में कुछ सेकंड्स के बाद आपकी चीरे-छोटी दिखना मुक हो जाता है, जबकि लहद सेंसिटिविटी में जुड़ खे लोई के लिए तेज रोशनी को बर्दात करना बिल्कुल मुश्किल होता है। आंखों के त्विनाइ इसे कोरैक्टिविज करते हैं। ऐसे लोगों को तेज साह में जाते ही आंखें बंद करनी पड़ते हैं और कई बार उन्हें खरब आने, सिर दर्द होने, उठती जैसे त्विना भी मुक हो जाते हैं। लहद सेंसिटिविटी का कारण आंखों का कोई इन्फेक्शन या कोई रोग हो सकता है, इसलिए जिन रर जिन डॉक्टर से जांच कराएं और र्णों से दूर रहें।

इम्यूनिटी पर पड़ रहा है प्रदूषण का असर, अपनाएं आयुर्वेदिक नुस्खे

आम जिविटी पर बड़ते प्रदूषण का असर आज हर किसी के लिए पेशानी का सबसे बड़ा सबब बन हुआ है। आज दुनियाभर में लोग इस समस्या से वेहद परेशान हैं। प्रदूषण के प्रति लोगों की जागरूक करने के लिए देशभर में हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के पीछे उद्देश्य औद्योगिक अमल के प्रदूषण और निबंधन के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना, साथ ही हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित होने से बचना और उनमें होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए अलग-अलग तरह से समाज में जागरूकता फैलाना है।

इसके अलावा हर साल 2 दिसंबर को राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस तन लोगों की पाद और सम्मान में भी मनाया जाता है, जिन्होंने पेशावर पैस ब्रसट्री में अपनी जान फंका दी थी। यूं तो प्रदूषण व्यक्ति के शरीर पर कई तरह से बुरा असर डालता है, लेकिन प्रदूषण का सबसे ज्यादा बुरा असर व्यक्ति की इम्युनिटी पर पड़ता है। तो अगर इस खाम मौके पर जानते हैं प्रदूषण के प्रकोप से कैसे खुद को बचावें तो यमजुल बमार्प अपनी इम्युनिटी। ये आयुर्वेद और यूनानी पद्धति के नुस्खे आपको स्वस्थ रखने के साथ प्रदूषण से



होने वाली बीमारियों से भी बचाने में आपको मदद करेंगे।

आंखों की सेहत के लिए

आंखों में गुलाब जल डालने: प्रदूषण के कारण आंखों में जलन होती है। इसके लिए रोखना सोने से पूर्व आंखों में अंक गुलाब जल की चे-नो बूंद डालें।

गले में इंफेक्शन

गले में इन्फेक्शन एवं नजल खांसी से बचाने के लिए शहद, अदरक, कार्बोसिथं और जराकुम के पत्तों की चपा बमकर लें।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए

प्रदूषण के कम इम्युन सिस्टम पर सही धार करते हैं। इसमें बचने के लिए डाइट में हरा अंखाय शामिल करना काफी उपयोगी होता है। इसकी बज्ती, सक्की और मुगध खाते से बचपा होता।

बाँड़ी को करें डिटॉक्स

बाँड़ी को डिटॉक्स करने के लिए दूध में अल्फा बममय हल्दी मिलाकर लें।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए

अदरक और साह को साथ में लेने से सर्दी-जुकाम से बचा जा सकता है।

सेहत

सर्दियों में गुड़ के साथ दूध लेने के बेहतरीन फायदे

सर्दियों से बचने के लिए हम बिजने ही जैकेट, स्वेटर बर्न न पहन लें? लेकिन जब तक हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर रहेगी, तब तक हम छोटी-छोटी बीमारियों का शिकार होते रहेंगे। ऐसे में गुड़ के साथ दूध का सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के साथ सर्दियों में होने वाली सर्दी-जुकाम, कफ जैसी कई परेशानियों को भी दूर करता है। अगर, जानते हैं गुड़ के साथ दूध पीने के फायदे-

दूध और गुड़ में मौजूद तत्व

दूध में अधिक मात्रा में विटामिन ए, विटामिन बी और डी के अलावा कैल्शियम, प्रोटीन और लैक्टिक एसिड भी पाया जाता है। वहीं दूसरी ओर गुड़ में अधिक मात्रा में सुक्रोज, ग्लूकोज, खनिज तत्व और पानी कुछ मात्रा में पाया जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लौहा और कई तत्व पाए जाते हैं।



नेचुरल ब्लड प्यूरीफायर

गुड़ में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जो आपको शरीर में मौजूद अशुद्धियों को साफ कर देता है, इसलिए रोखना गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपके शरीर से ऐसी अशुद्धियां निकल जाती है, जिससे आपको कोई बीमारी नहीं होती और आप निरोग बचसुख करेंगे।

मोटापे को करें कंट्रोल

माना जाता है कि अगर आप दूध के साथ पीनी का इस्तेमाल करते हैं, तो इसकी जगह आप गुड़ का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से आपका वजन कंट्रोल में रहेगा, जिससे आप मोटापे का शिकार नहीं होंगे।

पेट संबंधी समस्या को रखे ठीक

अगर आपको पाचन संबंधी कोई भी समस्या है, तो गर्म-गर्म दूध और गुड़ का सेवन करें, ऐसा करने से आपको पेट संबंधी हर समस्या से निजात मिल जाएगी।

जोड़ों के दर्द को करें दूर

गुड़ खाने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है, अगर रोखना गुड़ का एक छोटा पीय अदरक के साथ मिलकर खाया जाए, तो जोड़ों में मजबूती आएगी और दर्द भी दूर हो जाएगा। इससे आपको चुबचुआरी को बड़ेगी। गर्म दूध और गुड़ का सेवन करने से आपकी त्विना मुकुलन होने के साथ-साथ त्विना संबंधी समस्या न होगी। इसके साथ ही इसका सेवन करने से आपको खाल भी होती रहेंगे।

पीरियड्स में दर्द को करे ठीक

बता जाता है कि अगर आपको कहीं दर्द हो, तो गर्म दूध पीने से तुरंत आराम मिल जाता है और महिलाओं को पीरियड के समय का दर्द हो रहा हो तो गर्म दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से आपको इससे निजात मिल सकती है। अगर फिर पीरियड मुक होने के 1 हप्ते पहले 1 चम्मच गुड़ का सेवन रोखना करें। इससे आपको दर्द से निजात मिलेगी।



सॉर्न खिरयानी

सामग्री

- सॉर्न: डेढ़ का
- बसमती चाल: 3 का
- बी चाल: लोई में बट 2
- 3 बारीक बट टमाटर
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 2 टीसून
- 6 बारीक बट ही मिर्च
- तेल: 4 टेबलसून
- पी: 4 टेबलसून
- डी: 200 का
- बनी: 750 मिली का
- मसूर: खालनुला
- मिर्च चंडार: 2 टीसून
- हल्दी चंडार: 1/4 टीसून
- बारीक बट हात बर्नित: 1/4 का
- मिट की चंडित: 1/4 का
- चालकीनी: 2 टुकड़े
- 5 लीन
- 1 इलाची



मकई का चीला

सामग्री

- स्वीट सॉर्न: 1 का
- 1 चाल
- त्विनाय ऑयल: 1 कम्म
- मसूर: लहद के अनुहार
- 1 बट्टी हई मिर्च
- डैसन: 2 कम्म
- अदरक: जल कम्म

विधि

इस स्वीट रोखपास को बनने के लिए सबसे पहले चंडार में स्वीट सॉर्न की बीसबर बंदर बन लें। जराही एक बड़ा मिशर बनाने हैं। इसके बाद इस मिशर को एक बर्न में निखाल लें। इस बर्न में मसूर, बेलर, बट्टी हई मिर्च, बट्टा हई चाल, मसूर और मिर्च हई अदरक मिला लें। इसमें मसूर-चंडार चनी मिलाते हू सबसे अच्छे से मिला लें। एक बर्न को पैम पर रखकर गर्म करे और उसमें 3-4 हूड तेल डालें। इस पर ढेर को जलकर रोख रोख (होस की लहद) बन लें। इसे ठंडी कर लेंगे से लेके। इस इसे घटनी के साथ हई कर सकते हैं। इसके साथ ही आप इसे रंरी से पुडिने से बजा सकते हैं।

JOB

प्रोफेसर

IIM शिलांग में निकली

19 पदों के लिए वैकेंसी

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, शिलांग ने आधिकारिक तौर पर विभिन्न पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया के लिए एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन के अनुसार अनुसार, आईआईएम शिलांग प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और अन्य पदों पर आवेदन मांगे हैं। उम्मीदवार आईआईएम की आधिकारिक वेबसाइट iimshillong.ac.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। पदों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 फरवरी, 2020 है।

- कैसे करना है आवेदन ?
- स्टेप 1. सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट iimshillong.ac.in पर जाएं।

स्टेप 2. 'application for filling backlog vacancies' पर क्लिक करें।

स्टेप 3. अब एक पीडीएफ फाइल खुलेगी, उसे ध्यान से पढ़ें।

स्टेप 4. अब फॉर्म पर क्लिक करें और उसे भरना शुरू करें।

स्टेप 5. फीस ध्यान से भरें।

स्टेप 6. अब सबमिट करें और भविष्य के लिए प्रिंटआउट लेना न भूलें।
- इतने पदों पर होगी भर्ती

रेलवे में 10वीं पास के लिए

3584 भर्तियां

न परीक्षा, न

इंटरव्यू, मार्क्स

से होगा चयन



रेलवे रिक्रूटमेंट में सेल (RRC) ने साउदर्न रेलवे में अप्रेंटिस की 3584 भर्तियां निकाली है। ये भर्तियां कैरिज वर्क्स परेम्बूर, सेंट्रल वर्कशॉप गोलडन रॉक और सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन वर्कशॉप पोडानूर के लिए की जाएंगी। कैरिज वर्क्स परेम्बूर में 1208, सेंट्रल वर्कशॉप गोलडन रॉक के लिए 723 और सिग्नल एंड टेलीकम्युनिकेशन वर्कशॉप पोडानूर के लिए 1654 भर्तियां की जाएंगी। इन भर्तियों के लिए 10वीं पास उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ संबंधित ट्रेड में आईटीआई की योग्यता भी मांगी गई है। कुछ पदों पर 12वीं में साइंस साइड अनिवार्य की गई है। इच्छुक उम्मीदवार <https://roams.com/Apprentice/recruitmentIndex> पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2019 है।

आयु सीमा

आयु की न्यूनतम सीमा 15 और अधिकतम 24 वर्ष निर्धारित की गई है।

इन पदों पर होगी भर्ती

भर्तियां फिटर, वेल्डर, मशीनिस्ट, मैकेनिक रेफ्रिजेशन, एसी, पासा, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, कारपेंटर, वेल्डर, मंडिकल लेब टेक्निशियन, वायरमैन जैसे पदों पर निकली हैं।

आवेदन फीस

जनरल, ओबीसी उम्मीदवार : 100 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग व महिलाएं: कोई फीस नहीं

डाक घर में बिना परीक्षा 3650 भर्तियां

10वीं पास करें आवेदन, लास्ट डेट बढ़ी

India Post GDS Gramin Dak Sevak 2019 Apply Online: भारतीय डाक ने महाप्राष्ट सर्किल के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब लास्ट डेट 30 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। 3 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन एवं ऑनलाइन फीस जमा कराई जा सकती है। ये भर्तियां ब्रांच पोस्ट मास्टर, असिस्टेंट ब्रीच पोस्ट मास्टर और ग्रामीण डाक सेवक के पद पर निकाली गई हैं। कुल पदों की संख्या 3650 है। उम्मीदवारों का चयन मेरिट के आधार पर होगा। परीक्षा नहीं ली जाएगी। उम्मीदवारों का 10वीं मैथ्स एवं इंग्लिश विषयों के साथ पास होना अनिवार्य है। उम्मीदवारों का 10वीं तक स्थानीय भाषा पढ़ा होना भी जरूरी है।

आयु सीमा

- 18 से 40 वर्ष। अधिकतम आयु सीमा में ओबीसी को तीन वर्ष, एससी-एसटी को पांच की छूट दी जाएगी।
- इसके साथ ही उम्मीदवार का कम से कम 60 दिनों का बैसिक कंप्यूटर कोर्स किया होना जरूरी है।

चयन

- कोई परीक्षा नहीं होगी। उम्मीदवारों का चयन मेरिट के आधार पर होगा। मेरिट 10वीं में प्राप्तियों के आधार पर बनेगी। अगर किसी उम्मीदवार के पास हायर क्वालिफिकेशन है, तो वह कोई मायने नहीं रखेगा। सिर्फ 10वीं के मार्क्स ही चयन का आधार बनेंगे।
- जो उम्मीदवार आवेदन करना चाहते हैं indiapost.gov.in या apost.in/gdson-line पर जाकर रजिस्टर करें और यहीं से आवेदन करें।
- एप्लाई ऑनलाइन मोड से ही करना होगा। इस भर्ती के जरिए ग्राम पोस्ट मास्टर (बीपीएम), असिस्टेंट ग्राम पोस्टमास्टर (एबीपीएम) और डाक सेवकों की भर्ती होगी।

CBSE में 357 वैकेंसी, 16 दिसंबर तक करें आवेदन

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 357 वैकेंसी निकाली है। ये भर्तियां ग्रुप ए और बी की हैं। इस भर्ती के तहत असिस्टेंट सेक्रेटरी, असिस्टेंट सेक्रेटरी (आईटी), एनालिस्ट (आईटी), जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर, सीनियर असिस्टेंट, स्टैनोग्राफर समेत अन्य कई पद भरे जाएंगे। इन पदों को सीधी भर्ती के आधार पर भरा जाएगा। बोर्ड इन पदों पर नियुक्तियां करने के लिए अखिल भारतीय प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन करेगा। इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों को इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर 2019 है। योग्य उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन लिखित परीक्षा/स्किल टेस्ट/साक्षात्कार में प्रदर्शन के माध्यम से किया जाएगा। यहां 5 बातों में जानें सभी अहम डिटेल-

1. पदों, योग्यता एवं रिक्तियों का विस्तृत व्यौरा

(ग्रुप ए के तहत पदों का विवरण)

असिस्टेंट सेक्रेटरी, पद: 14 (अनारक्षित: 08)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान अथवा विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में बैचलर डिग्री प्राप्त होनी चाहिए।

- मान्यता प्राप्त संस्थान में 15,600 से 39,100 रुपए और ग्रेड पे 6600 रुपए वेतनमान स्तर पर कार्यरत हो।
- 15,600 से 39,100 रुपए और ग्रेड पे 5400 रुपए वेतनमान स्तर पर नियमित आधार पर कम से कम तीन वर्ष कार्य किया हो।
- 9300 से 34,800 रुपए और ग्रेड पे 4600 रुपए वेतनमान स्तर पर नियमित आधार पर कम से कम पांच वर्ष कार्य किया हो।

वेतनमान (उपरोक्त दो पद) : 15,600 से 39,100 रुपए। ग्रेड पे-6600 रुपए।

आयु सीमा (उपरोक्त दो पद) : अधिकतम 40 वर्ष।

असिस्टेंट सेक्रेटरी (आईटी)

पद: 07 (अनारक्षित: 04)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से बीई/बीटेक/आईटी/एमएससी (आईटी)/एमसीए डिग्री प्राप्त हो।

- 15,600 से 39,100 रुपए और ग्रेड पे 5400 रुपए वेतनमान स्तर पर कम से कम तीन वर्ष कार्य किया हो।

वेतनमान (उपरोक्त दो पद) : 15,600 से 39,100 रुपए। ग्रेड पे-6600 रुपए।

आयु सीमा (उपरोक्त दो पद) : अधिकतम 40 वर्ष।

एनालिस्ट (आईटी), पद: 14 (अनारक्षित: 06)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से बीई/बीटेक/आईटी/एमएससी (आईटी)/एमसीए डिग्री प्राप्त हो।

- इसके साथ उम्मीदवारों को संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम पांच वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

वेतनमान : 15,600 से 39,100 रुपए। ग्रेड पे-5400 रुपए।

आयु सीमा : अधिकतम 35 वर्ष।

(ग्रुप बी के तहत पदों का विवरण)

जूनियर हिंदी ट्रांसलेटर

पद: 08 (अनारक्षित: 05)

योग्यता : हिंदी में मास्टर डिग्री होने के साथ इंग्लिश एक मुख्य या

वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ा हो या डिग्री स्तर पर इंग्लिश मीडियम से परीक्षा दी हो।

- इंग्लिश में मास्टर डिग्री होने के साथ हिंदी एक मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ा हो या डिग्री स्तर पर हिंदी माध्यम से परीक्षा दी हो।
- किसी भी विषय में मास्टर डिग्री प्राप्त हो। साथ ही बैचलर डिग्री हिंदी मीडियम में और इंग्लिश एक मुख्य विषय के रूप में पढ़ा हो।
- मास्टर डिग्री के साथ हिंदी और इंग्लिश विषयों के साथ बैचलर डिग्री हो या इनमें से एक विषय उसके परीक्षा माध्यम और दूसरा विषय उसके मुख्य विषय के रूप में पढ़ा हो।
- हिंदी से इंग्लिश या इसके विपरीत ट्रांसलेशन डिप्लोमा/सर्टिफिकेट प्राप्त हो।

वेतनमान : 9,300 से 34,800 रुपए। ग्रेड पे-4200 रुपए।

सीनियर असिस्टेंट, पद: 60 (अनारक्षित: 26)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान/ विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट हो।

- शॉर्टहैंड गति 120 शब्द प्रतिमिनट या इंग्लिश टाइपिंग गति 40 शब्द प्रतिमिनट होनी चाहिए।
- कंप्यूटर पर कार्य करने की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

आयु सीमा (उपरोक्त दो पद) : अधिकतम 30 वर्ष।

स्टेनोग्राफर, पद: 25 (अनारक्षित: 13)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान/ विश्वविद्यालय से ग्रेजुएट हो।

आयु सीमा : अधिकतम 27 वर्ष।

अकाउंटेंट, पद: 06 (अनारक्षित: 02)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से अकाउंट्स/कॉमर्स विषय के साथ बैचलर डिग्री प्राप्त होनी चाहिए।

- इसके साथ अकाउंटेंट के पद पर हो या जूनियर अकाउंटेंट/जूनियर असिस्टेंट/एलडीसी या समकक्ष पद पर कम से कम तीन वर्ष काम करने का अनुभव होना चाहिए।

वेतनमान (उपरोक्त तीन पद) : 5200 से 20,200 रुपए। ग्रेड पे-2400 रुपए।

आयु सीमा : अधिकतम 30 वर्ष।

जूनियर असिस्टेंट, पद: 204 (अनारक्षित: 85)

योग्यता : मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से बारहवी या समकक्ष

परीक्षा पास हो।

- कंप्यूटर पर इंग्लिश टाइपिंग गति 35 शब्द प्रति मिनट हो या इंग्लिश टाइपिंग में 10500 की डिप्रेंशंस की गति होनी चाहिए। अथवा
- कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग गति 30 शब्द प्रति मिनट हो या हिंदी टाइपिंग में 9000 की डिप्रेंशंस की गति होनी चाहिए।

जूनियर अकाउंटेंट, पद: 19 (अनारक्षित: 08)

योग्यता : मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से अकाउंट्स/कॉमर्स विषय के साथ बैचलर डिग्री प्राप्त होनी चाहिए।

- इसके साथ उम्मीदवारों को संबंधित कार्यक्षेत्र में कम से कम एक साल काम करने का अनुभव हो।

वेतनमान (उपरोक्त दो पद) : 5200 से 20,200 रुपए। ग्रेड पे-1900 रुपए।

आयु सीमा (उपरोक्त दो पद) : अधिकतम 27 वर्ष।

- अधिकतम आयु सीमा में एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को पांच वर्ष, ओबीसी वर्ग को तीन वर्ष और दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को दस वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी।
- इन पदों पर आवेदन करने की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष है। आयु सीमा का निर्धारण 16 दिसंबर 2019 के अनुसार किया जाएगा।

2. यहां होगी नियुक्ति

- दिल्ली/नोएडा ■ देहरादून/पंचकुला/चंडीगढ़
- इलाहाबाद/पटना ■ भुवनेश्वर/युवाहाटी ■ चेन्नई/त्रिवेन्द्रम
- पुणे/बेंगलुरु ■ अजमेर/भीपाल

3. चयन प्रक्रिया

योग्य उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन लिखित परीक्षा/स्किल टेस्ट/साक्षात्कार में प्रदर्शन के माध्यम से किया जाएगा।

4. आवेदन शुल्क

- सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को ग्रुप ए पदों के लिए 1500 रुपए और ग्रुप बी पदों के लिए 800 चुकाने होंगे।
- एससी/एसटी/दिव्यांग श्रेणी के आवेदकों को इन पदों के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।
- शुल्क का भुगतान डेबिट कार्ड (मास्टर कार्ड/रूपे/वीजा/मेस्ट्रो), क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस, कैश कार्ड या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

5. आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले बोर्ड की वेबसाइट www.cbse.nic.in पर लॉगइन करना होगा।
- होमपेज पर रिसर्च अनाउंसमेंट बॉक्स में स्कॉल हो रहे विज्ञापन शीर्षक CBSE Recruitment 2019 - Advt लिंक पर क्लिक करें।
- ऐसा करने रक्तियों से संबंधित बोर्ड द्वारा जारी किया गया विस्तृत विज्ञापन आपकी कंप्यूटर की स्क्रीन पर खुल जाएगा।
- विज्ञापन में दिए दिशा-निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें और पदों के अनुसार अपनी योग्यता की जांच करें। इसके बाद विज्ञापन शीर्षक के आगे अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
- ऐसा करने पर दिशा-निर्देशों से संबंधित नया वेंबपेज खुलेगा।

- यहां दी गई आवेदन संबंधी जानकारी को ध्यान से पढ़ें, और नीचे दिए दिक्लेरेशन बॉक्स के आगे टिक का निशान लगाएं।
- इसके बाद नीले रंग के बटन पर टैब करें। ऐसा करने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फॉर्म खुल जाएगा। इसमें मांगी गई सभी जानकारी को सावधानी से दर्ज कर रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करें।
- लॉगइन डिटेल्स की मदद से लॉगइन करें। अब ऑनलाइन आवेदन फॉर्म खुल जाएगा। इसमें मांगी गई जानकारी को ध्यान से भरें।
- इसके बाद विज्ञापन में दिए आकार और फॉर्मेट में अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, हस्ताक्षर और अन्य सभी जरूरी दस्तावेजों का स्कैन कॉपीयों को अपलोड करें।
- फाइन सबमिट करने से पहले आवेदन पत्र को एक बार पुनः सावधानी से जांचें। पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद पद और श्रेणी के अनुसार शुल्क जमा कर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।
- अंत में आपकी कंप्यूटर की स्क्रीन पर ऑटो जनरेटेड आवेदन फॉर्म दिखाई देगा। इसका पृष्ठ साइज के पैपर पर प्रिंटआउट निकाल कर अपने पास सुरक्षित रखें।

आईडीबीआई बैंक में होगी स्पेशलिस्ट ऑफिसर के लिए भर्तियां

जानें पद, योग्यता, चयन एवं आवेदन की प्रक्रिया

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड ने स्पेशलिस्ट ऑफिसर के पदों पर रिक्तियां घोषित की हैं। कुल 61 नियुक्तियां की जाएगी। ये नियुक्तियां असिस्टेंट जनरल मैनेजर, डिप्टी जनरल के पदों पर की जाएगी। इन पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन मंगाए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जो 12 दिसंबर 2019 तक चलेगी। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार www.idbi.com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यहां जाने पद, योग्यता, फीस और आवेदन प्रक्रिया संबंधी 10 अहम जानकारियां -

पदों का व्यौरा

1. एग्रीकल्चरल ऑफिसर (मैनेजर), पद: 40

योग्यता : एग्रीकल्चर/हॉर्टिकल्चर/वेटरिनरी साइंस/डैयरी टेक्नोलॉजी/फिशरीज साइंस/एनिमल हस्बैंड्री में बैचलर डिग्री प्राप्त हो।

- साथ ही पद से संबंधित कार्यक्षेत्र में चार वर्ष का कार्यानुभव होना चाहिए।

आयु सीमा : न्यूनतम 25 वर्ष और अधिकतम 35 वर्ष।

2. फैक्टरी विहेविवर साइंसेज (डीजीएम), पद: 01

योग्यता : साइकोलॉजी या विहेविवर साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त हो। या ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में एमबीए हो।

आयु सीमा : न्यूनतम 35 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष।

3. रिसक फ्राइड मैनेजमेंट-फ्राइड एनालिस्ट (मैनेजर) पद: 14

योग्यता : न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ बीकॉम की डिग्री हो।

- बैंक ऑफिसर के तौर पर चार वर्ष का कार्यानुभव होना चाहिए, जिसमें दो वर्ष का अनुभव संबंधित क्षेत्र में हो।

वांछनीय : एमबीए/सीए/सीएआईआईबी/जेएआईआईबी

आयु सीमा : न्यूनतम 35 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष।

बिहार पुलिस सिपाही भर्ती

CSBC ने 12वीं पास के लिए

निकाली 1722 वैकेंसी

वर्दी की चाह रखने वाले युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। बिहार पुलिस में चालक सिपाही के 1722 पदों पर बहाली की प्रक्रिया शुरू हो गई है। केंद्रीय चयन पंथ (सिपाही भर्ती) की वेबसाइट csbc.bih.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 30 दिसंबर है। केंद्रीय चयन पंथ (सिपाही भर्ती) के जरिए सिपाही और समकक्ष पदों पर बहाली की जाती है। पंथ ने 1722 चालक सिपाही के पद पर बहाली के लिए विज्ञापन जारी कर दिया। इच्छुक युवाओं के लिए इंटरमीडिएट (12वीं) या समकक्ष परीक्षा पास होना अनिवार्य है। इसके साथ ही चालक सिपाही के लिए ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी है। पंथ के मुताबिक ड्राइविंग लाइसेंस विज्ञापन की तिथि से एक वर्ष पूर्व का होना चाहिए। यह बहाली बिहार पुलिस, सैन्य पुलिस (बीएमपी) और पुलिस की विभिन्न इकाइयों के लिए है।

तीन चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

- चालक सिपाही के लिए सबसे पहले लिखित परीक्षा ली जाएगी। यह 100 अंकों की होगी। इसके बाद पद के मुकाबले पांच गुना सफल अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए होगा। इसे पास करने वालों को आखिर में वाहन चलाने की परीक्षा देनी होगी। वाहन चलाने में प्राप्त अंकों के आधार पर उनका चयन अंतिम रूप से चालक सिपाही के पद के लिए किया जाएगा।
- लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक मुद्दों से संबंधित पूछे जाएंगे। मल्टीपल चॉइस प्रश्न पत्र होंगे। प्रश्न ऑब्जेक्टिव होंगे। पेपर दो घंटे का होगा। हर सही उत्तर के लिए 1 अंक देय होगा।

आयु सीमा

- अभ्यर्थियों की उम्र (दिनांक-01.08.2019को) 'दसवीं-बोर्ड अथवा समकक्ष परीक्षा के अथवा समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में अंकित जन्म तिथि के अनुसार निम्नवत होगी।
- (क) सामान्य (अनारक्षित) कोटि के पुरुषों एवं महिलाओं के लिए न्यूनतम उम्र 20 (बीस) वर्ष और अधिकतम उम्र 25 (पच्चीस) वर्ष।
- (ख) पिछड़ा वर्ग/कोटि एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग/कोटि के पुरुषों के लिए न्यूनतम उम्र 20 (बीस) वर्ष और अधिकतम उम्र 27 (सत्ताईस) वर्ष।
- (ग) पिछड़ा वर्ग/कोटि एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग/कोटि की महिलाओं के लिए न्यूनतम उम्र 20 (बीस) वर्ष और अधिकतम उम्र 28 (अट्ठाईस) वर्ष।
- (घ) अनुसूचित जाति/कोटि एवं अनुसूचित जन-जाति/कोटि के पुरुषों एवं महिलाओं के लिए न्यूनतम उम्र 20 वर्ष और अधिकतम उम्र 30 वर्ष।
- (ङ) बिहार पुलिस संवहन में चालक सिपाही के पद पर पूर्व में अथवा पूर्व से संबंधित नियोजित अभ्यर्थियों को अधिकतम उम्र सीमा में संबंधित नियोजन की अवधि तक की छूट दी जाएगी।

अभ्यर्थियों का शारीरिक मापदंड : उम्मीदवारों के लिए निम्नलिखित न्यूनतम ऊंचाई एवं सीने के मापदंड को पूरा करना आवश्यक होगा।

- (क) ऊंचाई
- (1) अनारक्षित (सामान्य) एवं पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए - न्यूनतम 165 सेंटीमीटर।
- (2) अत्यंत पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए - न्यूनतम 160 सेंटीमीटर।
- (3) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के पुरुष उम्मीदवारों के लिए - न्यूनतम 160 सेंटीमीटर।
- (4) भारतीय मूल के गोरखा (सिर्फ बिहार सैन्य पुलिस-1 गोरखा बटालियन में) के लिए - न्यूनतम 160 सेंटीमीटर।
- (5) सभी वर्गों की महिला उम्मीदवारों के लिए - न्यूनतम 155 सेंटीमीटर।
- (ख) सीना (सिर्फ पुरुषों के लिए)
- (1) अनारक्षित (सामान्य) एवं पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए- बिना फुलाए : 81 सेंटीमीटर (न्यूनतम), फुलाकर : 86 सेंटीमीटर (न्यूनतम)
- (फुलाने के बाद सीना में 5 सेंटीमीटर का अंतर होना अनिवार्य होगा)।

अत्यंत पिछड़ा वर्ग के पुरुष उम्मीदवारों के लिए

बिना फुलाए : 81 सेंटीमीटर (न्यूनतम)

फुलाकर : 86 सेंटीमीटर (न्यूनतम)

(फुलाने के बाद सीना में कम से कम 5 सेंटीमीटर का अंतर होना अनिवार्य होगा)।

- (3) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के पुरुष उम्मीदवारों के लिए - बिना फुलाए : 79 सेंटीमीटर (न्यूनतम)

फुलाकर : 84 सेंटीमीटर (न्यूनतम) ■ (फुलाने के बाद सीना में कम से कम 5 सेंटीमीटर का अंतर होना अनिवार्य होगा)।

- (4) भारतीय मूल के गोरखा (सिर्फ बिहार सैन्य पुलिस-1 गोरखा बटालियन में) के लिए- बिना फुलाए : 79 सेंटीमीटर (न्यूनतम)
- फुलाकर :** 84 सेंटीमीटर (न्यूनतम)।

आईडीबीआई बैंक में होगी स्पेशलिस्ट ऑफिसर के लिए भर्तियां

जानें पद, योग्यता, चयन एवं आवेदन की प्रक्रिया

4. रिसक फ्राइड मैनेजमेंट-इन्वेस्टीगेटर (एजीएम), पद: 05

योग्यता : न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ बीकॉम की डिग्री हो।

- बैंक ऑफिसर के तौर पर तीन से सात वर्ष का कार्यानुभव होना चाहिए।

वांछनीय : एमबीए/सीए/सीएआईआईबी/जेएआईआईबी

आयु सीमा : न्यूनतम 35 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष।

4. वेतनमान (पद के अनुसार)

- डीजीएम : 50,030 से 59,170 रुपए।
- एजीएम : 42,020 से 51,490 रुपए।
- मैनेजर : 31,705 से 45,950 रुपए।

5. जरूरी सूचनाएं

- आयु शैक्षणिक योग्यता और अनुभव की गणना 01 नवंबर 2019 के आधार पर की जाएगी।
- अधिकतम आयु सीमा में एससी/एसटी आवेदकों को पांच साल, ओबीसी आवेदकों को तीन साल और दिव्यांगों को दस साल की छूट प्राप्त होगी।

6. चयन प्रक्रिया

- प्रारंभिक परीक्षा और इंटरव्यू के आधार पर योग्य आवेदक चयनित होंगे।

9. खास तारीखें

- ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख : 12 दिसंबर 2019
- आवेदन का प्रिंट निकालने की अंतिम तारीख : 27 दिसंबर 2019
- ऑनलाइन परीक्षा की संभावित तारीख : जनवरी 2020

10. अधिक जानकारी यहां

वेबसाइट : www.idbi.com

इसके साथ मांगे गए प्रमाण पत्रों की स्कैनकॉपी, हस्ताक्षर और फोटोग्राफ निर्धारित साइज के अनुरूप ही अपलोड करें।

रानी मुखर्जी ने दूर की आदित्य चोपड़ा से जुड़ी गलतफहमी

जी टीवी के शो 'प्रो म्यूजिक कार्टूनडउन' में मर्यादी 2 की इस एप्रीट्स ने कुल ऐसे दिलचस्प खुलासे किए, जिसे आप मिस नहीं कर सकते। जी टीवी अपने अगले वीकड प्राइमटाइम शो में दर्शकों के लिए बॉलीवुड और म्यूजिक इन दोनों क्षेत्रों का बेस्ट लेकर आया है। इस चैनल ने अपनी तरह का पहला म्यूजिक कार्टूनडउन शो- 'प्रो म्यूजिक कार्टूनडउन' पेश किया है।

सिद्धार्थ कानन इस शो को होस्ट कर रहे हैं। अब इस शो की अगली मेहमान हैं- रानी मुखर्जी। शो के एक सेगमेंट के दौरान सिद्धार्थ से चर्चा करते हुए रानी ने अपने पति आदित्य चोपड़ा के बारे में खुलकर बातें की। उन्होंने आदित्य से जुड़े कुछ ऐसे खुलासे किए, जिस पर इससे पहले उन्होंने कभी बात नहीं की थी। उन्होंने बताया कि वो कभी भी आदित्य पर पब्लिक में जाने के लिए दबाव नहीं डालती, क्योंकि वो एक 'प्राइवेट' इंसान हैं।

रानी ने बताया कि आदित्य शर्मािले नहीं हैं, बल्कि उन्हें अपनी निजी जिंदगी में रहना पसंद है। मुझे नहीं पता कि लोग उनके बारे में ऐसा क्यों सोचते हैं। वो एक प्राइवेट पर्सन हैं। रानी ने आगे कहा कि मेरे लिए यह जरूरी है कि मैं और मेरी बेटी उन्हें देखें। मैंने कभी उनसे इस बात की जबर्दस्ती नहीं की कि वो दूसरों को भी नजर आए। रानी ने यह भी बताया कि उनके पति उनके सबसे बड़े आलोचकों में से एक हैं। देखाए 'प्रो म्यूजिक कार्टूनडउन', इस रविवार 1 दिसंबर को शाम 6 बजे सिर्फ जी टीवी पर।



छह दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित होगा इंटरनेशनल भोजपुरी फिल्म अवार्ड

भोजपुरी सिनेमा के जाने-माने फिल्मकार अभय सिन्हा की कंपनी यशी फिल्म के बैनर तले पांचवा इंटरनेशनल भोजपुरी फिल्म अवार्ड छह दिसंबर को सिंगापुर में आयोजित किया जा रहा है। इससे पूर्व यह अवार्ड समारोह यशी फिल्म ने मॉरीशस, दुबई, लंदन और मलेशिया में आयोजित किया था। सिंगापुर के सगटेक कनवेंशन सेंटर में होने वाले अवार्ड समारोह में बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मी दुनिया के सितारों के साथ-साथ राजनीति के दिग्गजों का भी जमावड़ा लगेगा। अवार्ड समारोह का चैनल पार्टनर बिग गंगा है। इंटरनेशनल भोजपुरी फिल्म अवार्ड समारोह में जाने-माने अभिनेता और सांसद सनी देवोल, सनी लियोनी, जरीन खान के साथ-साथ भोजपुरी फिल्मों के मेगास्टार और सांसद तथा दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी, गोरखपुर के भाजपा सांसद और भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार रवि किशन, सुपरस्टार दिनेशलाल यादव



निरहुआ, पवन सिंह, खेसारीलाल यादव, प्रदीप पांडे चिद् समेत कई अन्य कलाकार मौजूद रहेंगे।

टेलीविजन के जाने-माने कलाकार रहेंगे मौजूद

अवार्ड समारोह में टेलीविजन के जाने-माने कलाकार कृष्णा अग्निषेक, कौकु शर्मा और विनय आनंद के साथ-साथ भोजपुरी फिल्मों की जानी मानी अभिनेत्री मधु शर्मा, आम्बाली दुबे, काजल राघवानी, अंजना सिंह, निधि झा, गुपी शर्मा, रितु सिंह, शहर आम्रा, रश्मीलका प्रसाद, सपना मित्त और अनारा गुता के अलावा भोजपुरी फिल्मकार राजकुमार आर पांडे, असलम शंख, टॉनू वर्मा, रजनीश मिश्रा, प्रमोद सिंह, अनंजय खुराहा, निशांत उज्जवल भी इस समारोह में उपस्थित रहेंगे।

टीम शुभारंभ ने की गुजरात में रानी की वाव में शूटिंग



कलर्स अब अपने नए शो शुभारंभ के उद्घाटन के लिए तैयार है, एक अलग सुंदर प्रेम कहानी है और एक अलग समुदाय के दो लोगों की कहानी है, जो अपने लिए एक नए धिखित की खोजने एक साथ आ रहे हैं। कहानी गुजरात के एक छोटे से शहर में घटित होती है और राजा और रानी की कहानी बताती है और वे सभी बाधाओं से कैसे निपटते हैं। रानी की भूमिका निभाने वाली महिमा मखवाना ने हाल ही में अक्षय सुखीजा जो राजा की भूमिका निभा रहे हैं, के साथ शूटिंग में हिस्सा लिया, जिन्होंने रानी के वाव में सरस्वती नदी के तट पर राजा द्वारा फिल्माए गए चरित्र की व्याख्या की है। रानी की चाव की सुंदरता का अनुभव किया, और शूटिंग में कलाकारों ने बहुत मजा किया।

अक्षय ने 'सूर्यवंशी' की शूटिंग पूरी की



बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म सूर्यवंशी की शूटिंग पूरी कर ली है। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी 'सूर्यवंशी' में अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की मुख्य भूमिका है। 'सिंघम' में अजय देवगन और सिंघा में राणवीर सिंह के बाद अब रोहित फिल्म सूर्यवंशी के जरिए अक्षय कुमार को कॉप के रोल में दिखाने जा रहे हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग रोहित और अक्षय ने खास अंदाज में खत्म की है। अक्षय कुमार ने फिल्म की शूटिंग के दौरान की एक तस्वीर शेयर की है। वे इसे फिल्म की शूटिंग का अंतिम सीन बता रहे हैं। तस्वीर में रोहित शेट्टी और अक्षय हेलीकॉप्टर के नीचे आराम से बैठे नजर आ रहे हैं। अक्षय ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा कि "आखिरी दिन, आखिरी शूट, आखिरी स्टंट। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बनकर अच्छा लगा। मैं इस बात को लेकर बहुत एक्साइटेड हूँ कि आप लोग ये फिल्म थियेटर में जाकर देखें। हमें उम्मीद है कि ये फिल्म आपको चकित कर देगी।" सूर्यवंशी 27 मार्च, 2020 को रिलीज की जाएगी।

Readers Choice



घोड़े को चाय नहीं मिलती तो काम कर देता है बंद

इसानी के चाय पीने की तल के बारे में तो आपने सुना होगा, लेकिन जरा सोचिए कि घोड़े भी इसके आदी होने लगे तोड जी हा, इंग्लैंड के मरीसाइड पुलिस के पास एक ऐसा ही घोडा है, जिसे चाय पीने की ऐसी तल लगी है कि वो बिना इसके कोई काम ही नहीं करता। उसे हर रोज सुबह में अपने अस्तबल में एक कप चाय चाँहिए होती है, तभी वो काम के लिए बाहर निकलता है। 20 वर्षीय इस घोड़े का नाम जैक है। उसकी चाय पीने की आदत के बारे में मरीसाइड पुलिस के माउंट सेक्शन में कार्यरत सभी कर्मचारियों को पता है, इसलिए वो कभी भी उसे सुबह की चाय देना नहीं भूलते। जैक को चाय पीने की तल 15 साल पहले लगी थी। जैक के सवार ने चाय पीने के बाद कप को उसी के पास छोड़ दिया था, जिसमें थोड़ी सी चाय बची हुई थी। उसी चाय को जैक ने चख लिया, जिसके बाद से उसे इस चीज की तल ही लगा गई। माउंट सेक्शन मैनेजर और ट्रेनर लिंडसे गवेन कहते हैं कि जैक को बहुत गम था फिर भलाई वाली चाय पसंद नहीं है। वह फूड मिलने में उबली चाय पीना पसंद करता है, जिसमें एक था दो चम्मच शक्कर और टंडा पानी मिला हो। जैक के चाय पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसे लोग पसंद भी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि जैक अगले साल सेवानिवृत्त हो जाएगा।



पानीपत का प्रमोशन करने नोएडा पहुंचे अर्जुन कपूर और कृति सेनन

जॉन अब्राहम की फिल्म अटैक का पहला पोस्टर आउट



जॉन अब्राहम की अक्कमिंग थ्रिलर फिल्म अटैक की रिलीज डेट सामने आ गई है। जॉन ने फिल्म से अपना पोस्टर शेयर करते हुए रिलीज डेट की अनाउसमेंट की है। पोस्टर में जॉन बहुत फूडे निशाना लगाते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर शेयर करते हुए जॉन ने बताया कि फिल्म 14 अगस्त 2020 को रिलीज होगी। बता दें कि इस फिल्म के साथ, तीसरी बार जॉन स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपनी फिल्म रिलीज कर रहे हैं। साल 2018 में सत्यमेव जयते 15 अगस्त के दिन रिलीज हुई थी और इस साल बाटला हाउस भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज हुई और अब अगले साल अटैक भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ही रिलीज हो रही है। इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में जॉन के साथ जैकलीन फर्नांडिस और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में होगी। जॉन ने फिल्म को लेकर कहा कि अटैक एक बेहतरीन कहानी के साथ मजेदार थ्रिलर फिल्म है और यह शैली मुझे बहुत पसंद थी है। यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी जो इसे और भी अधिक रोमांचक बनाता है। जेए इंटरटेनमेंट (जॉन का प्रोडक्शन हाउस) के जरिए हमने फिल्मों के निर्माण को आगे बढ़ाया है और दर्शकों के लिए कुछ खास करने की कोशिश की है। बता दें कि फिल्म को लक्ष्य राज ने लिखा है और उन्होंने ही इसे निर्देशित किया है।

अर्जुन कपूर और कृति सेनन अपनी अक्कमिंग फिल्म पानीपत के प्रमोशन के लिए ग्रेटर नोएडा के गौड सिटी मॉल पहुंचे। यहां दोनों अपने फैस और मीडिया से भी रुबक हुए। अर्जुन और कृति ने मूवी का प्रमोशन तो किया ही साथ ही बताया कि यह फिल्म उनके दिलों के कितने करीब है।

दोनों ने मीडिया से मूवी के बारे में अपने अनुभवों को साझा किया। इस बीच कुछ लकी फैस को फिल्म के स्टार कास्ट के साथ सेल्फी भी क्लिक करने का मौका मिला। फिल्म पानीपत की बात करें तो सन 1761 पर आधारित पानीपत मराठा साम्राज्य के बारे में है। इसमें अर्जुन कपूर मराठा सेना के सेनानायक सदाशिव राव भाऊ के किरदार में दिख रहे हैं, जबकि अफगानिस्तान के राजा अहमद शाह अब्दाली के किरदार को संजय दत्त निभा रहे हैं। बता दें कि पानीपत के जरिए अर्जुन और कृति पहली बार साथ काम कर रहे हैं। दोनों की ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री को हालिया पसंद किया जा रहा है।

डिंपल कपाड़िया की मां बेट्टी कपाड़िया को श्रद्धांजलि देने पहुंचे बॉलीवुड सेलेब्स



डिंपल कपाड़िया की मां बेट्टी कपाड़िया का निधन हो गया है। दरअसल, वे कुछ दिनों पहले मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल में सांस में तकलीफ होने के कारण एडमिट हुई थीं। इसके साथ ही उन्हें और भी कई दिक्कतें थीं, जिसकी वजह से उन्हें आईसीयू में रखा गया था। शनिवार रात दिवंकल खन्ना की नानी बेट्टी कपाड़िया ने अंतिम सांस ली। इस दौरान हिंदुजा हॉस्पिटल में अक्षय कुमार, दिवंकल खन्ना और करण कपाड़िया मौजूद थे। सुबह से ही दिवंकल खन्ना के घर बॉलीवुड सेलेब्स का ताता लगा हुआ है। वे श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। इसमें सनी देओल, ऋषि कपूर समेत कई सितारे मौजूद थे। अब बेट्टी कपाड़िया की अंतिम विदाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। हाल ही में बेट्टी कपाड़िया ने अपना 80वां जन्मदिन मनाया था, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई थीं। इस मौके पर पूरा परिवार एक साथ इकट्ठा हुआ था।

चुटकुले

सपने में फिर की ड्रेस...

मल्लिकार्जुन: तुम्हें पता है कि कल मैंने सपने में क्या देखा?

बॉयफ्रेंड: क्या देखा?

मल्लिकार्जुन: तुमने मुझे 5 हजार की ड्रेस गिफ्ट की।

बॉयफ्रेंड: अक्का।

मल्लिकार्जुन: हा।

बॉयफ्रेंड: तो ठीक है, आज सपने में उसे पहन लेना।

अंकल साहबुन है क्या...

बच्चा: अंकल साहबुन है क्या?

दुकानदार: (नाक से उगली निकालते हुए) हां, बेटा है ना।

बच्चा: तो फिर हाथ धोकर क्रीमरोल दे दो।

मोहल्लेवालों के ताने...

घरजमाई: आज से मैं रोटी नहीं, चावल खाऊंगा।

सास: ऐसा क्यों?

घरजमाई: मोहल्लेवालों के ताने सुनकर थक गया हूँ।

रोज कहते हैं कि मैं ससुरालवालों की रोटी तोडता हूँ।

सर्जन और विसर्जन में फर्क...

मरीज: ऑपरेशन सही से करिएगा।

डॉक्टर: ऐसा क्यों कहा?

मरीज: क्योंकि सर्जन और विसर्जन में थोड़ा सा ही फर्क है। अगर ऑपरेशन सही से हो गया तो आप सर्जन और आपका हाथ हिल गया तो फिर मेरा विसर्जन।

हॉलीवुड

डिकेप्रियो ने फंड देने के आरोप से किया इनकार

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने लियोनार्डो डिकेप्रियो पर अमेजन जंगलों को जलाने के लिए पैसे देने का आरोप लगाया था। अब इस मामले में एक्टर की तरह से जवाब आया है। एक्टर ने राष्ट्रपति के आरोपों को नकारते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, हमने संगठनों को फंड नहीं दिया। मैं अमेजन को बचाने के लिए काम करने वालों का साथ देने को प्रतिबद्ध हूँ और अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए काम कर रहे ब्राजील के लोगों का समर्थन करता हूँ। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि मैं ब्राजील के स्वदेशी समुदायों, स्थानीय सरकारों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और आम जनता का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ, जो सभी ब्राजीलियाई लोगों के भविष्य के लिए अमेजन को सुरक्षित करने का अथक प्रयास कर रहे हैं।



सेलेना ने किताबों पर खड़े होकर दिया पोज

हॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सेलेना गॉमेज इन दिनों भारतीय फैस की तरफ से आलोचनाओं का सामना कर रही हैं। कजह है उनकी एक तस्वीर। दरअसल सेलेना ने हाल ही में एक फोटोशूट कराया है। सेलेना का ये नया फोटोशूट लखनऊ में हुआ है और किताबों पर खड़े हुए। जैसे ही सेलेना गॉमेज की ये तस्वीर भारतीय फैस ने देखी, सिंगर को ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि हे भगवान इसने सरस्वती पर पैर रखा है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि हमारे यहां इनकी पूजा की जाती है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि एक बार सोते हुए किताब पर मेरे पैर लग गए थे। फिर मैंने उठकर आशीर्वाद लिया। आशा इस पर पैर कैसे रख सकती हैं। पाप लगेगा। एक ने लिखा कि कब किताब पर पैर नहीं रखते। बिना माता का श्राप लगेगा तुम्हें। बता दें हाल ही में पोप सिंगर सेलेना गॉमेज बॉबी शॉमिंग पर बात करती नजर आई थी।



